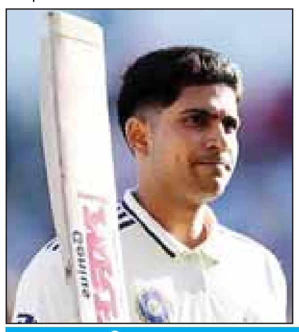

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 शुभमन 1 टेस्ट में 430 रन बनाने वाले पहले भारतीय | सम्पादकीय भाषाई कट्टरपंथी, मराठी अस्मिता के.... | टॉप-10 कंपनियों में 6 की वैल्यू 70,326... 5

वर्ष 12 अंक 40 E-mail: dholpur@hotmail.com | फरीदाबाद, सोमवार 07 जुलाई 2025 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

BRICS मंच से पीएम मोदी का करारा वार

डबल स्टैंडर्ड का शिकार है ग्लोबल साउथ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को BRICS देशों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्लोबल साउथ को जलवायु वित्त, सतत विकास और प्रौद्योगिकी पहुंच पर सिर्फ दिखावटी चीजें मिली हैं। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि विकास, संसाधनों के वितरण या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ग्लोबल साउथ के साथ दोहरा मापदंड अपनाया गया है। उनके साथ भेदभाव किया गया है

प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब BRICS नेता ब्राजील में शिखर वार्ता कर रहे हैं। हालांकि, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सम्मेलन में नहीं आए। प्रधानमंत्री मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के चौथे चरण में ब्राजील पहुंचे हैं। इससे पहले वे घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो और अर्जेंटीना जा चुके हैं।

ग्लोबल साउथ को जो कुछ भी मिला है, वह सिर्फ दिखावटी है

पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ को जो कुछ भी मिला है, वह सिर्फ टोकन जेस्चर है। मतलब है कि उन्हें सिर्फ दिखावे के लिए कुछ चीजें दी गई हैं, वास्तव में उनकी मदद नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल साउथ डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहा है। मतलब, उनके साथ अलग-अलग नियमों के हिसाब से व्यवहार किया गया है।

दुनिया में रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान जैसे युद्धों के कारण टकराव का माहौल बन गया : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि दुनिया में रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान जैसे युद्धों के कारण टकराव का माहौल बन गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी स्थिति बन रही है जिससे कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में बियॉन्ड बॉर्डर्स नाम के पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़ी महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के चलते दुनिया से समन्वय, सौहार्द और प्रेम खत्म होता जा रहा है।

भारत ने दिया अहिंसा और शांति का संदेश

उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया में संघर्ष का वातावरण है। रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान के बीच युद्ध जारी हैं। ऐसे हालात बन रहे हैं कि कभी भी वर्ल्ड वॉर जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। केंद्रीय मंत्री ने इस मौके पर भारत की सांस्कृतिक विरासत की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की धरती है, जिसने दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश दिया है।

आधुनिक युद्ध तकनीक से बढ़ा खतरा

नितिन गडकरी ने कहा कि युद्ध की तकनीक अब पूरी तरह बदल चुकी है। अब टैंक और पारंपरिक विमान कम उपयोगी हो गए हैं, जबकि मिसाइल और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा अब मिसाइलें सीधे नागरिक बस्तियों पर गिराई जा रही हैं, जिससे मानवता की रक्षा करना मुश्किल होता जा रहा है। यह एक गंभीर समस्या है जिस पर वैश्विक स्तर पर चर्चा की जरूरत है।

केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जीवाजी क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए

ग्वालियर। केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जीवाजी क्लब के उपाध्यक्ष अमित गुप्ता को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए तथा दूसरे चित्र में जीवाजी क्लब के पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य।

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। जीवाजी क्लब में स्थापना दिवस के साथ नव निर्वाचित कमेटी को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा निर्वाचन प्रमाण पत्र दिए गए। इस अवसर पर चुनाव अधिकारी के.जी. दीक्षित भी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अध्यक्ष राजेंद्र सेठ, उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, सेक्रेट्री संजय वर्मा, कोषाध्यक्ष संजय नीखरा और सभी कार्यकारिणी सदस्यों को प्रमाण पत्र दिए गए। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पूरी कार्यकारणी को बधाई दी और उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी काफी ऊर्जावान है और राजेंद्र, अमित, संजय की पूरी कार्यकारिणी जोर-शोर के साथ क्लब में हर दिशा में कार्य कर रही है। इस अवसर पर क्लब के लगभग एक हजार सदस्य उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि जीवाजी क्लब अपनी स्थापना का 127वाँ दिवस मना रहा है। इसके लिए मैं सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि मैं क्षमता चाहता हूँ कि कार्यक्रम में आने के लिए कुछ विलंब हुआ। मैं 24 घण्टे व्यस्त रहने वाला व्यक्ति हूँ। मेरा प्रयास रहता है कि मैं अधिक से अधिक कार्यक्रमों में सहभागिता कर सकूं। मैं जब भी जीवाजी क्लब के कार्यक्रमों में शामिल होता हूँ तो मुझे एहसास होता है कि मैं अपने परिवार के लोगों के मध्य आया हूँ। आप सभी लोग जीवाजी क्लब के मेम्बर नहीं अपितु मेरे परिवार के सदस्यगण हैं। जीवाजी क्लब ग्वालियर का ही नहीं अपितु समूचे मध्य प्रदेश का गौरव है। इसकी स्थापना माधव महाराज ने की थी तथा जीवाजी महाराज के नाम पर इसका नामकरण हुआ। 127 वर्षों की सफल यात्रा इतनी आसान नहीं है। क्लब ने अनेक झंझावतों को झेला है, तब कहीं जाकर क्लब आज इस स्थिति में आया है। क्लब के अभी तक जितने भी अध्यक्ष व सदस्य हुए सभी ने क्लब के लिए कार्य किया। मैं उनको साधुवाद देता हूँ। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि बाहर से अनेक लोग यहां आते हैं, वे क्लब व इसकी गतिविधियों को देखकर प्रफुल्लित हो जाते हैं। यहां पर महत्वपूर्ण चर्चायें होती हैं। सुगम्य वातावरण है। सबसे बड़ी बात यह है कि जीवाजी क्लब समय-समय पर समाजसेवा के कार्य करता रहता है। इसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देता हूँ। हमारा प्रयास होगा कि जीवाजी क्लब की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनायें। आप सभी लोग क्लब की प्रगति के लिए कार्य करें, यही मेरी आपसे अपेक्षायें हैं। आप लोग जहाँ भी मेरी आवश्यकता महसूस करेंगे मैं आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष राजेन्द्र सेठ (राजू), अमित गुप्ता उपाध्यक्ष, संजय नीखरा कोषाध्यक्ष, संजय वर्मा मानसेवी सचिव, केतन करन अग्रवाल संयुक्त सचिव सहित कार्यकारिणी सदस्य मधुर मित्तल, अमर राठौर दुर्गेश चौरसिया, गगन भल्ला, जितेन्द्र गुप्ता, राजीव गुप्ता, आशीष दुबे, चेतन प्रकाश गुप्ता, लावन्या शर्मा, राहुल गोयल, सुरेन्द्र अग्रवाल, मनीष सेठ, अनुराग शिवहरे, दीपक पमनानी उपस्थित थे।

सिंधिया के संज्ञान और प्रयासों से कोलारस-रन्नोद मार्ग पर सिंध नदी पर निर्माणाधीन बहुप्रतीक्षित पुल को मिली रफ़्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

कोलारस/ शिवपुरी। कोलारस से रन्नोद मार्ग पर आवागमन को सुगम बनाने के लिए वर्षों से लंबित सिंध नदी पर पुल निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुँच चुका है। यह कार्य केंद्रीय मंत्री व क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के व्यक्तिगत संज्ञान और सतत प्रयासों के कारण संभव हो पाया है। सिंधिया ने जनता की सुविधा और क्षेत्रीय मांग को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्वयं इस विषय को संज्ञान में लिया और संबंधित मंत्रालयों व अधिकारियों से समन्वय कर स्वीकृति तथा बजट को शीघ्रता से मंजूरी दिलाई।

अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के लिये प्रतिबद्ध केंद्रीय सूचना एवं उत्तर- पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा क्षेत्रीय संपर्क और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सिंधिया के प्रयासों से स्वीकृत कोलारस से रन्नोद रोड (वाया भडोता मार्ग) पर सिंध नदी पर बन रहे सबमर्सिबल पुल का निर्माण

कार्य तेज़ी से प्रगति पर है।

सिंधिया के प्रयासों से मिली स्वीकृति

उक्त पुल कोलारस-रन्नोद क्षेत्र की जनता की एक पुरानी और बहुप्रतीक्षित मांग थी। लंबे समय से क्षेत्रवासी सिंध नदी में से होकर आवागमन करने को विवश थे, जिससे उन्हें बरसात के मौसम में विशेषकर भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। क्षेत्र की इस समस्या को स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने केंद्रीय मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष रख कर उक्त नदी पर एक पुल निर्माण की माँग की थी। सिंधिया ने त्वरित कार्यवाही की और इस महत्वपूर्ण परियोजना की स्वीकृति दिलवाने में निर्णायक भूमिका निभाई है।

प्रगति पर है निर्माण कार्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में कार्य सुचारु रूप से प्रगति पर है और अनुमानित समयसीमा के भीतर पूर्ण होने की संभावना है। उक्त नदी दो स्ट्रीम में प्रवाहित होती है, जिन पर स्लैब निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है। अब पुल के दोनों छोर पर एबटमेंट निर्माण कार्य शेष है, जिस पर तीव्र गति से कार्य जारी है। निर्माण कार्य के दौरान भी आमजन की सुविधा बाधित न हो।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी के विचार को किया है क्रियान्वित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

डॉ. मुखर्जी ने धारा 370 के विरोध के साथ ही राष्ट्र हित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया

एक देश एक विधान कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के योगदान का किया स्मरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में धारा 370 के विरोध के साथ ही राष्ट्र हित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया। वे लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसे सच्चे नेता थे, जिन्होंने लोकतंत्र सेनानी के रूप में कोलकाता और पश्चिम बंगाल को बचाने का कार्य भी किया। उन्होंने राष्ट्रवादी संगठन जनसंघ की स्थापना तो की ही तत्कालीन केंद्र सरकार से स्वयं को अलग करते हुए निर्दलीय रूप से निर्वाचन का निर्णय लिया। शिक्षा के क्षेत्र से सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद ऐसी अनेक चुनौतियों का उन्होंने सामना किया जो राष्ट्रभक्त ही किया करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि डॉ.मुखर्जी ने कभी असंगत व्यवस्थाओं से समझौता नहीं किया। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम की हिंसा का उत्तर आपरेशन सिंदूर के माध्यम से दिया। स्वतंत्रता के बाद सर्वप्रथम डॉ. मुखर्जी ने ऐसी व्यवस्थाओं का विरोध किया था जो राष्ट्र हित में नहीं थीं। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी के जीवन लक्ष्य को पूर्ण करते हुए कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इस तरह डॉ. मुखर्जी के संकल्प ÷ एक निशान, एक विधान और एक प्रधान÷ को साकार करने का कार्य किया गया है। पूरे राष्ट्र ने एक स्वर से कश्मीर से धारा 370 हटाने का समर्थन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में संस्कृति विभाग द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वी जयंती के अवसर पर में ÷एक देश एक विधान÷ विषय पर आयोजित वैचारिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. मुखर्जी के विचार को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया क्रियान्वित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने संविधान के अनुच्छेद 370 का विरोध करते हुए संसद में भाषण दिया था। वे कश्मीर को विशेष दर्जा देने के प्रबल विरोधी थे। उनका मानना था कि कश्मीर हमारे लिए केवल एक भू-भाग नहीं अपितु भारत की आत्मा है। डॉ. अम्बेडकर का भी यही विचार था। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि भारत की एकता से कोई समझौता नहीं बल्कि संकल्प है। कश्मीर के मुद्दे पर भारतीय जनसंघ ने सत्याग्रह भी किया। डॉ. मुखर्जी 11 मई 1953 को परमिट सिस्टम का उल्लंघन कर कश्मीर पहुंचे वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और विषम परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनका स्वर्गवास हो गया। यह उनका बलिदान था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवासियों को यह बताया कि राष्ट्र के लिए हमारी दृष्टि कैसी होनी चाहिए। आज भारत दुनिया का बड़ा लोकतांत्रिक देश है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष : शिवराज-खट्टर समेत 6 चेहरे अध्यक्ष की रेस में

आर.एन.एस

नई दिल्ली। भाजपा जल्द ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा नए अध्यक्ष के लिए 6 नामों पर विचार कर रही है, इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। वहीं, भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताए जा रहे हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों-संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ती है तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया पूरी करेगी।

बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है।

भाजपा के 37 में से 26 प्रदेश अध्यक्ष चुने गए

पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50त्न राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से 26 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं।

भाजपा ने जुलाई के शुरुआत 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने। इसके बाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। पार्टी ने 1-2 जुलाई को 9 राज्यों (हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दमन दीव और लद्दाख) में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव किया।

ब्लड मैन दुरापे को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया सम्मानित

ग्वालियर। ब्लड मैन के नाम से मशहूर शिप्रा हेल्थ फाउंडेशन के संस्थापक सुधीर राव दुरापे को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। दुरापे ने इस सम्मान को सभी रक्तदाता बहनों-भाइयों को समर्पित किया है।

आपको बता दे सुधीर राव दुरापे स्वयं 82 बार रक्तदान कर चुके है और 2010 से आजतक रक्तदान के जरिये हजारों लोगों की जान बचा चुके हैं। शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय स्थित दत्तोपंत ठेगड़ी सभागार में आयोजित समरसता सहभोज सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सुधीर राव दुरापे को सम्मानित किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अनुसूचित जाति मोर्चा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य, विधायक मोहनसिंह राठौर, पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, पूर्व मंत्री इमरती देवी एवं पूर्व विधायक घनश्याम पिरोनिया भी उपस्थित थे।

ब्रह्म कोई विशाल आकृति नहीं, कोई भौतिक सत्ता नहीं, अपितु सूक्ष्मतम तत्व है: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि - उपनिषदों का समस्त चिन्तन इस एक लक्ष्य पर केन्द्रित है - ''आत्मा ब्रह्मैव''। यही उद्घोष मुण्डकोपनिषद् के इस मंत्र में गूँजता है। भगवद्पाद आद्य शंकराचार्य इस मंत्र की व्याख्या करते हुए बताते हैं कि यह ब्रह्म ही सर्वश्रेष्ठ जानने योग्य तत्त्व है – जो अर्चिमत् भी है और अणोरणीयान् भी, जो सर्वाधिष्ठान है और स्वप्रकाश, जो सत्य है, अमृत है और विद्या का अंतिम लक्ष्य है।

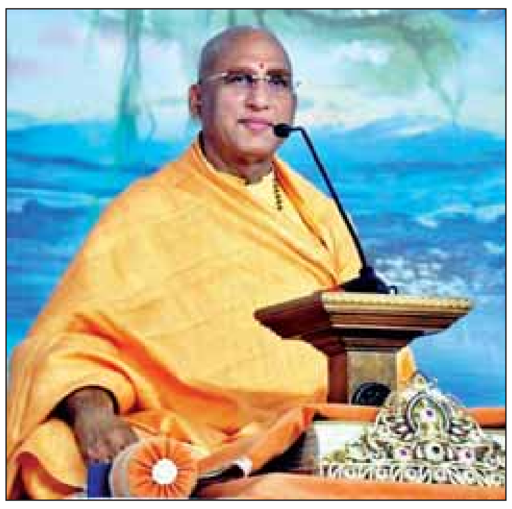

''अर्चिमत् ब्रह्म'' तेजस्विता का प्रतीक ।

''यदर्चिमत्'' वह जो तेजस्वी, स्वप्रकाश और स्वतःसिद्ध है।

स्वामी जी ने कहा कि- शंकराचार्य कहते हैं कि ब्रह्म कोई इन्द्रियजन्य प्रकाश नहीं, वह आत्मप्रकाश है - स्वयंप्रकाश चैतन्य स्वरूपम्। जैसे सूर्य स्वयं प्रकाशित होकर सबको प्रकाशित करता है, वैसे ही यह ब्रह्म आत्मा के रूप में समस्त चेतना का मूल कारण है।

''अणोरणीयान् ब्रह्म'' सूक्ष्मता का साक्षात् !

''यदणुभ्योऽणु च'' – वह अणु से भी सूक्ष्म है।

स्वामी जी ने कहा कि - ब्रह्म कोई विशाल आकृति नहीं, कोई भौतिक सत्ता नहीं, अपितु सूक्ष्मतम तत्व है, जो सभी सूक्ष्मताओं का भी आधार है।

''अणोरणीयान्महतो महीयान्'' – यह उपनिषदों की ही घोषणा है, जिसे शंकराचार्य ब्रह्म के निराकार और निरवयव स्वरूप का निरूपण मानते हैं।

''सर्वाधार ब्रह्म'' – लोक और लोकिनों में व्याप्त है ।

''यस्मिँल्लोका निहिता लोकिनश्च'' – वह तत्त्व जिसमें सभी लोक और उनके भोगकर्ता स्थित हैं।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - शंकराचार्य इस पर कहते हैं – ''ब्रह्मैव कारणं, उपादानं च'', अर्थात् ब्रह्म ही जगत का कारण और आधार है। यह सम्पूर्ण दृश्य और अदृश्य जगत उसी में कल्पित है, जैसे स्वप्न दृश्य चेतन मन में।

''अक्षर ब्रह्म'' – नित्य, अविनाशी तत्त्व !

''तदेतदक्षरं ब्रह्म'' – यह वही ब्रह्म है, जो नाशरहित, अपरिवर्तनशील और शाश्वत है। शंकराचार्य इसे परम तत्त्व कहते हैं – जो किसी विकार या काल की सीमा में नहीं आता। यह कर्तृत्व और भोक्तृत्व के बन्धनों से परे है।

''चेतना का मूल'' – प्राण, वाणी, मन !

''स प्राणः, तदु वाङ्मनः'' – वही ब्रह्म प्राणों की गति, वाणी की अभिव्यक्ति और मन की संकल्प-शक्ति का भी मूल है। भगवान शंकराचार्य स्पष्ट करते हैं कि ये सभी उपकरण ब्रह्म पर आश्रित हैं, किन्तु ब्रह्म उनसे निर्लिप्त है। वाणी उसे व्यक्त नहीं कर सकती, मन उसे पकड़ नहीं सकता, किन्तु उसी से वाणी बोलती है और मन सोचता है –

''यतो वाचो निवर्तन्ते अप्राप्य मनसा सह''।

''तदेतत्सत्यं तदमृतं'' – वही सत्य है, क्योंकि वही स्थायी है; और वही अमृत है, क्योंकि वही मोक्ष का आधार है।

''तद्वेद्धव्यं सोम्य, विद्धि'' – हे शुभ्रहृदय शिष्य ! इसे जानो।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - आद्य शंकराचार्य कहते हैं – यह विद्या वही है, जो अविद्या की ग्रन्थि को छिन्न करती है, और जीव को जीवभाव से मुक्त कर ब्रह्मभाव में प्रतिष्ठित कर देती है। इस मंत्र में उपनिषद ब्रह्म के ऐसे स्वरूप का उद्घाटन करते हैं, जो तेजस्वी है, सूक्ष्मतम है, नित्य है, सर्वाधिष्ठान है और साक्षात आत्मा ही है। शंकराचार्य के अनुसार ब्रह्म को जानना आत्मा को जानना है, और यही अद्वैत वेदान्त का परम सन्देश है –

''ब्रह्म सत्यं, जगन्मिथ्या, जीवो ब्रह्मैव नापरः।''

''तत्त्वमसि'' – तू वही ब्रह्म है।

अ.भा. हैहय कलचुरी महासभा का 90वां स्थापना दिवस 2 व 3 अगस्त के लिए बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा द्वारा 02 अगस्त शनिवार को दोपहर 3 बजे से राष्ट्रीय कार्यकारणी बैठक (अपेक्षित राष्ट्रीय कार्यकारणी पदाधिकारी सदस्यों सम्मिलित होंगे) तथा रविवार 03 अगस्त 25 को सुबह 10 बजे से 90वां स्थापना दिवस एवं सहस्त्रबाहु दीप पत्रिका विमोचन, खुला मंच कार्यशाला का आयोजन एलएनसीटीजे के हॉस्पिटल परिसर कोलार रोड भोपाल स्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारायण चौकसे की अध्यक्षता में तथा राष्ट्रीय महासचिव एड. एम.एल. राय के संयोजन में मनाया जाएगा। जिसके चलते आज राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के निवास स्थान पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों 2 व 3 अगस्त को महासभा का 90वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। जिसमें 02 अगस्त को महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी तथा प्रत्येक राज्यों के अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष इसी प्रकार महिला मंडल तथा नवयुवक मंडल के सदस्यों भाग ले पाएंगे तथा 03 अगस्त को सभी स्वजातीय गणमान्यो तथा महासभा के पदाधिकारी सम्मिलित होंगे। सभी स्वजातीय गणमान्य अपने विचार विमर्श रख सकते हैं और आयोजन के लिए समितियों का गठन कर समिति को कार्यभार भी सौंपा जाएगा, जिसके लिए आगामी शनिवार 19 जुलाई को बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। महासभा के स्थापना दिवस में मुख्य रूप से भारत शासन द्वारा जातीय जनगणना पर विचार करते हुए कलचुरी शब्द लिखा जाए। इस पर भी गंभीरता से समाज को अवगत किया जाएगा। बैठक में प्रमुखता से राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारायण चौकसे, राष्ट्रीय महासचिव एड. एम.एल. राय, राष्ट्रीय सलाहकार शंकरलाल राय, प्रदेश प्रचार महासचिव एच.आर. राय, महासचिव ओ.पी. चौकसे, विष्णु जायसवाल, अमृतलाल धुवारे बालाघाट, जी.के. चौकसे, शिवम् जायसवाल प्रमुखता से उपस्थित रहे। आपको बता दें कि भारत वर्ष की कलचुरी समाज की प्राचीनतम् महासभा जिसकी कल्पना सन् 1905 में की गई थी, किन्तु सन् 1911 में स्व. कुंदनलाल जायसवाल दिल्ली एवं स्व. फूलचंद जायसवाल नीमच की अध्यक्षता में कलचुरी समाज का महासम्मेलन प्रयागराज में लगा था, जिसमें अखिल भारतवर्षीय हैहय क्षत्रिय कलचुरी महासभा का गठन हुआ। जिसके अध्यक्ष महान इतिहासकार डॉ. काशीप्रसाद जायसवाल, सचिव राय बहादुर डॉ. हीरालाल राय थे। सन् 1933 में राय बहादुर डॉ. हीरालाल राय के मार्गदर्शन में महासभा का पंजीयन की रूपरेखा 03 अगस्त 1935 को अ.भा. हैहय कलचुरी महासभा का पंजीयन हुआ था। जिसके वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारायण चौकसे तथा महासभा के राष्ट्रीय महासचिव एड. एम.एल. राय हैं, जिनके मार्गदर्शन में महासभा द्वारा 02 एवं 03 अगस्त को 90वां स्थापना दिवस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान वर्तमान में भारत शासन द्वारा राष्ट्रीय जातिगत जन गणना करवाने की घोषणा की गई है। प्रायः हमारी जाति में संपूर्ण देश क्षेत्रों राज्यों में विभिन्न स्तर पर अलग-अलग उपनामों उल्लेखित किए जाते हैं, जिसमें कलार, कलाल, कलवार, गौड़, नाडार, इंडिया, इजाफा, भंडारी एवं अन्य उपनाम रूप में अपनी पहचान बनाए हुए हैं।

जबकि हम सभी कलचुरी है। हमें यह प्रयास करना है कि सरनेम से पहले कलचुरी शब्द लिखा जाए। कलचुरी का वृहत स्तर पर अपनी जाति को पहले जोड़ने के लिए कार्य योजना बनाना चाहते हैं। जातिगत जनगणना में अपने उपनामों के पहले कलचुरी नाम का उपयोग करना इसी उद्देश को लेकर यह 90 वा स्थापना दिवस आयोजित किया जा रहा है। इस महासभा के गरिमामय आयोजन में जो भी महासभा पदाधिकारी तथा सामाजिक सदस्यों उपस्थित होना चाहते हैं वह पूर्ण रूप से जानकारी ओ.पी. चौकसे प्रदेश महासचिव संगठन 9827053683, वीरेन्द्र पप्पू राय प्रदेश महासचिव कार्यालय 8085832999, 9826011552, एच.आर. राय प्रदेश महासचिव प्रचार 9009989703, जी.सी. जायसवाल प्रदेश कोषाध्यक्ष 7999728466 को अवश्य रूप से सूचित करें ताकि आप सभी अतिथि स्वजातीय गणमान्यों की महासभा द्वारा आप की व्यवस्था कर सकें।

उक्त जानकारी सुधाकर राऊत उप प्रचार सचिव अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा म.प्र. ने दी।

टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना में एक लाख तक मिलेगा ऋण

श्योपुर। मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त विकास निगम भोपाल द्वारा टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों से स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये है। योजना में आदिवासी वर्ग के सदस्यों को 10 हजार से 01 लाख रूपये तक का ऋण उपलब्ध होगा। इस संबंध में आवेदन समस्त पोर्टल पर ऑनलाइन किये जा सकते है तथा अधिक जानकारी के लिए कलेक्टर कार्यालय स्थित आदिवासी वित्त विकास निगम के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। आदिवासी वित्त विकास निगम के शाखा प्रबंधक एवं सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण श्री राकेश गुप्ता ने बताया कि उक्त योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिए जिले को 53 प्रकरणों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना के तहत लाभ लेने के लिए मप्र के मूल निवासी अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे सदस्य जिनकी आयु 18 से 55 वर्ष है। योजना के तहत स्वरोजगार के लिए 10 हजार से लेकर 01 लाख रूपये तक के ऋण प्राप्त कर सकते है। इच्छुक आवेदक www.samast.mponline.gov.in पर आवेदन कर सकते है।

डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी के जीवन से हमारे युवा प्रेरणा लें: राहुल सरपंच

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार माय भारत मुरैना के सौजन्य से एवं बजरंग युवा मंडल सुर्जनपुर के सहयोग से ग्राम सुर्जनपुर में श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में ग्राम सुर्जनपुर के सरपंच राहुल दंडोतिया, वरिष्ठ ग्रामीण रामविलास दंडोतिया, राम करन, पुनदी कक्का एवं अन्य उपस्तिथ रहे। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके उपरान्त सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। श्यामाप्रसाद जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सशक्त व्यक्तित्व के धनी श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजनीति के दुनिया के भी सितारे थे। वे भारतीय जनसंघ के फाउंडर होने के साथ-साथ आजाद भारत के पहले इंडस्ट्री और सप्लाई मिनिस्टर थे। युवाओ को मुखर्जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को दिशा देनी चाहिए। प्रदीप उपाध्याय ने बताया कि पर्यावरण के प्रति युवाओं को जागरूक किया जाये और उन्हें पौधा रोपित हेतु प्रेरित किया जाये यदि हम सभी एक पौधा भी रोपित करें तो, इस धरती के पर्यावरण में बदलाव आ सकता है जो कि हम सभी के भविष्य के लिये लाभदायक है। इसके उपरांत सभी लोगो ने विद्यालय परिसर में श्यामाप्रसाद मुखर्जी की याद में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम के आयोजन में माय भारत मुरैना के एमटीएस रामविलास शर्मा, बजरंग युवा मंडल के शुभम दंडोतिया एवं प्रदीप उपाध्याय ने सहयोग किया।

समाजसेवी संस्था का पौधारोपण अभियान प्रारम्भ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। वर्षाकाल प्रारम्भ होते ही वातावरण को हरा-भरा रखने के लिए तथा पर्याप्त प्राण वायु प्राप्त करने के लिए पूनम समाज सेवा समिति पोरसा ने अपना वृक्षारोपण अभियान प्रारंभ कर दिया है। समिति के द्वारा छायादार, फलदार तथा फूलों वाले एवं औषधीय पौधों का रोपण शिवम महाविद्यालय पोरसा के प्रांगण में किया।

इस संस्था के संरक्षक दिनेश शर्मा तथा हरिओम गुप्ता के मार्गदर्शन में इस पावन कार्य को गति दी गयी। सहयोग के रूप में हुकुम सिंह कुशवाहा, रवि कुमार कुशवाह, आशीष अग्रवाल उपस्थित रहे। पौधों में कादम्ब, चीकू, गुलमोहर आदि के पौधे रोपे गये।

अम्बाह में गोयल परिवार द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी भगवान दास गोयल एवं सोनू गोयल द्वारा जनकल्याण और आध्यात्मिक उन्नति की भावना से किशोरीलाल धर्मशाला में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के अनेक श्रद्धालुजन, व्यापारी वर्ग, गणमान्य नागरिकों और परिवारजनों की उपस्थिति रही।

विधिवत पूजा-अर्चना एवं हनुमान जी की प्रतिमा का अभिषेक कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात संगीतमय सुंदरकांड पाठ आरंभ हुआ, जिसमें रामचरितमानस की चौपाइयों और श्रीराम-हनुमान चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया गया। भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत भजन एवं कीर्तन से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिरस में डूब गया। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। भगवान दास गोयल एवं सोनू गोयल ने कहा कि, ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल धार्मिक रस्में निभाना नहीं, बल्कि समाज को सकारात्मक ऊर्जा देना है। जब सामूहिक रूप से प्रभु स्मरण होता है तो वातावरण भी पावन हो जाता है। कार्यक्रम में नगर के अनेक वरिष्ठ नागरिकों एवं समाजसेवियों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

भारतीय मजदूर संघ का परिचय वर्ग सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रविवार को चंबल कॉलोनी पार्क मंदिर पर भारतीय मजदूर संघ परिचय वर्ग का आयोजन विभाग प्रमुख मुरैना-भिंड ब्रजराज डंडोतिया के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

परिचय वर्ग कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी, भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ता, संगठन मंत्री चंद्रेश मिश्रा, वरिष्ठ नागरिक परिसंघ आशाराम पाठक, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका संघ श्रीमती ललिता शर्मा, भारतीय मजदूर संघ कार्यालय मंत्री सुश्री ज्योति कदम, पर्यावरण मंच जिला संयोजक दिलीप पाठक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका जिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता गुर्जर, जिला मंत्री श्रीमती यशोदा शर्मा, श्रीमती रेखा-विष्णु लाल, रिक्शा यूनियन अध्यक्ष राहुल शर्मा सम्मलित हुए एवं अन्य कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

विकलांग बल की मासिक बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रविवार को विकलांग बल के निर्देशन में विकलांग बल मध्यप्रदेश के मुरैना जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में विकलांग बल के उपप्रधान हेमंत सिंह कुशवाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उक्त बैठक की अध्यक्षता विकलांग बल मुरैना के जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह एडवोकेट द्वारा की गई। उक्त बैठक का उद्देश्य पेंशन में बढ़ोत्तरी करने के साथ-साथ विकलांग बल के द्वारा सदस्यता अभियान चला कर अधिक से अधिक संख्या में नए लोगों को जोड़ना होगा। उक्त बैठक में विकलांग बल मुरैना के जिला संगठन मंत्री वीरेंद्र सिंह कुशवाह, मुरैना ब्लॉक अध्यक्ष रामसेवक ततबांसिया, रजनीश दौनेरिया पूर्व जिला सचिव मुरैना, मेहरबान सिंह यादव, जानकी प्रसाद शर्मा, रामखिलाड़ी कुशवाह, अनूप सिंह जाटव, अवधेश कुशवाह आदि विकलांग जन शामिल रहे।

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष का भ्रमण कार्यक्रम

श्योपुर। बाल सरंक्षण आयोग के अध्यक्ष कैबीनेट मंत्री दर्जा श्री द्रविंद्र मोरे श्योपुर जिले के दो दिवसीय प्रवास पर रहेगे। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार आयोग के अध्यक्ष श्री मोरे 6 जुलाई को शाम 6.30 बजे पीडब्ल्यूडी रेस्टहाउस श्योपुर पहुंचेगे तथा रात्रि विश्राम करेंगे। श्री मोरे 7 एवं 8 जुलाई को जिला श्योपुर में शासकीय, अशासकीय संस्थाओं का अवलोकन करेंगे तथा सामाजिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होगे, इसके साथ ही जिले के महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड के साथ बैठक करेंगे। 9 जुलाई को श्री मोरे प्रातः 8 बजे श्योपुर से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

पशुपालन और जूनोटिक रोग: जोखिम और ज़िम्मेदारी दोनों आपकी

श्योपुर। जूनोटिक बीमारियाँ वे बीमारियाँ होती हैं जो पशुओं और इंसानों के बीच फैल सकती हैं। ये बीमारियाँ पशुओं और इंसानों दोनों को प्रभावित कर सकती हैं एवं कभी-कभी गंभीर रूप से या जानलेवा भी हो सकती हैं। इनसे पशुपालकों को अधिक खतरा होता है। पशुओं के साथ ज्यादा समय बिताने से संपर्क बढ़ता है, जिससे जोखिम भी बढ़ता है। जूनोटिक बीमारियाँ तब फैलती हैं जब इंसान किसी संक्रमित पशु या उससे जुड़ी वस्तुओं के संपर्क में आता है।

कुछ आम जूनोटिक बीमारियों में रेबीज शामिल है, जो पशु के काटने से फैलती है और समय पर टीका न लगवाने पर जानलेवा हो सकती है। ब्रूसेलोसिस संक्रमित पशुओं के दूध या सीधे संपर्क से फैलती है, जिससे बुखार, जोड़ों में दर्द और गर्भपात हो सकता है। टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) संक्रमित पशुओं के संपर्क, दूध या मांस के सेवन से फैल सकती है। एंथ्रैक्स संक्रमित जीवित या मृत पशुओं और उनके उत्पादों से फैलता है। बर्ड फ्लू बीमार पक्षियों या उनकी बीट के संपर्क से फैलता है, जबकि साल्मोनेला कच्चे मांस, दूध या अंडों के ज़रिए इंसानों में संक्रमण फैला सकता है। इन जूनोटिक बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतना बेहद ज़रूरी है। बीमार या मरे हुए पशुओं से दूरी बनाए रखें और उन्हें बिना सुरक्षा उपकरणों के न छुए।

पशुओं के शवों का निपटान निर्धारित प्रक्रिया अनुसार करें। बच्चों को बीमार पशुओं से दूर रखें। हमेशा दूध को उबालकर और मांस व अंडो को अच्छी तरह पकाकर ही सेवन करें। पशुओं का नियमित टीकाकरण कराएं, विशेषकर रेबीज और ब्रूसेलोसिस जैसी बीमारियों के टीके अवश्य लगाए। पशुओं की देखभाल करते समय दस्ताने, मास्क और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों का उपयोग करें। साफ-सफाई का ध्यान रखें, पशु बाड़ों और उपकरणों को नियमित रूप से कीटाणुनाशक से साफ करें, और संदिग्ध मामलों में तुरंत पशु चिकित्सक या स्वास्थ्य अधिकारी से संपर्क करें। 6 जुलाई को विश्व जूनोटिक दिवस मनाने का उद्देश्य है लोगों को इन बीमारियों के बारे में जागरूक करना और एक स्वस्थ, सुरक्षित समाज की दिशा में कदम बढ़ाना।

पशुपालन से जुड़े सभी लोगों की ज़िम्मेदारी है कि वे स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखने में योगदान दें।

22.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

श्योपुर। श्योपुर जिले में 06 जुलाई को 22.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दिनांक 06 जुलाई को श्योपुर में 9.8, बडौदा में 11, कराहल में 14.6, विजयपुर में 48, वीरपुर में 31 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। इस वर्ष दिनांक 01 जून 2025 से अभी तक जिले में कुल 505.11 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इस अवधि तक 281 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत की वर्षा 822 मिली मीटर है।

25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई लगाने के लिए मिलेगा 42 लाख तक ऋण

33 फीसदी तक सबसिडी दे रही सरकार

श्योपुर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना शुरू की गई है, जिसमें 25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई लगाने के लिए 42 लाख तक का ऋण उपलब्ध होगा। मध्यप्रदेश शासन इस योजना के तहत डेयरी इकाई लगाने वाले हितग्राही को 33 फीसदी तक सबसिडी भी दे रही है।

उप संचालक पशुपालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे ने बताया कि श्योपुर जिले में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार डेयरी उद्योग में रूचि रखने वाले युवाओं को उक्त योजना के तहत लाभ दिलाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है तथा योजना का अधिक से अधिक युवा लाभ लें, इसके लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

उन्होने बताया कि शासन की उक्त महत्वपूर्ण योजना के तहत 25 गाय पालने के लिए 38 लाख रूपये तथा 25 भैस पालने के लिए 42 लाख रूपये की ऋण राशि बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी, इसमें एससी एवं एसटी वर्ग को 33 प्रतिशत तथा सामान्य वर्ग को 25 प्रतिशत सबसिडी प्रदान की जायेगी। योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राही के पास साढे तीन एकड भूमि होना जरूरी है, जिससे वह उक्त भूमि पर डेयरी इकाई के साथ ही भूसा घर एवं दुधारू पशुओं के लिए शैड बना सकें। उन्होने बताया कि युवा इस योजना का लाभ लेकर डेयरी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते है। इसके लिए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। योजना की खास बात यह है कि हितग्राही इस ऋण को प्रत्येक दो साल में पुनः ले सकता है और कम से कम 8 बार तक शासन की योजना का लाभ लिया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए उप संचालक पशुपालन कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की प्रक्रिया शुरू

13 जुलाई तक किये जा सकेंगे नामांकन एवं आवेदन

श्योपुर। प्रदेश में केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मंत्रालय नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये आवेदन और नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला कलेक्टर्स एवं जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। आवेदन एवं नामांकन वेब पोर्टल <http:@@nationalawardstoteachers-education-gov-in> पर 13 जुलाई तक स्वीकार किये जायेंगे। प्रदेश में जिन शिक्षकों द्वारा 13 जुलाई तक नामांकन कर दिया जायेगा उनके अभिलेख, ऑडियो, वीडियो 15 जुलाई तक पोर्टल पर अपलोड किये जा सकेंगे।

जिला स्तरीय चयन समिति

शिक्षक द्वारा किये गये नामांकन की प्रथम स्तर पर स्कूटनी के लिये जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। समिति में राज्य शासन का प्रतिनिधित्व जिले के डाइट प्राचार्य और कलेक्टर द्वारा नामांकित प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सदस्य के रूप में करेंगे।

राज्य स्तरीय चयन समिति

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार एवं सम्मान के लिये राज्य स्तर पर भी समिति होगी। सचिव स्कूल शिक्षा विभाग अध्यक्ष होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में केन्द्र सरकार के नामांकित प्रतिनिधि, संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के साथ आयुक्त लोक शिक्षण सदस्य सचिव के रूप में शामिल होंगे। राज्य चयन समिति द्वारा विशेष श्रेणी सहित अधिकतम 6 अनुशंसाएं केन्द्र सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर अग्रेषित की जा सकेंगी।

समय सारणी

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की ऑनलाइन प्रक्रिया के निष्पादन की समय सारणी निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन 13 जुलाई 2025 तक स्वीकार किये जायेंगे। शिक्षक द्वारा अंतिम रूप से नामांकन पूर्ण करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई तय की गई है। जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा राज्य चयन समिति के लिये ऑनलाइन पोर्टल पर 3 अनुशंसाओं को 16 जुलाई से 25 जुलाई तक भेजा जा सकेगा। राज्य चयन समिति द्वारा नेशनल ज्यूरी को शॉर्ट-लिस्टेड 6 अनुशंसाएं केन्द्र सरकार को ऑनलाइन 26 जुलाई से 4 अगस्त तक भेजी जा सकेंगी। पुरस्कार के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के बेव पोर्टल से प्राप्त किये जा सकते हैं।

भोपाल में युवक की संदिग्ध हालत में मौत: पिता बोले- बेटे के साथ गलत किया

भोपाल। राजधानी में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत का मामला सामने आया है। पिता ने दावा किया है कि बेटे ने आखिरी बार बातचीत में बताया कि उसे तीन युवकों ने पीटा। गलत काम करने के बाद जबरन सल्फॉस की गोलियां खिला दीं। पिता ने युवकों पर बेटे की हत्या का आरोप लगाया। घटना सूखी सेवनिया इलाके की है। युवक का नाम सलमान खान (23) है। शनिवार शाम को उसके मुंह से झाग निकलता देख और उल्टियां करता देख परिजन उसे अस्पताल में पहुंचाया था। शनिवार देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

तीन युवकों ने रोका, मारपीट की

सलमान खान(23) पुत्र कल्लू खान निवासी ईटखेड़ी आम का कारोबार करता था। उसके पिता कल्लू के मुताबिक बेटा शनिवार शाम काकू शर्मा के बाग सूखी सेवनिया में आम की गाड़ी को खाली करने के बाद कैरेट रखने गया था। वहां से लौटते समय राजा नाम के युवक सहित दो अन्य ने उसे सूखी सेवनिया पर ही रोक लिया। अचानक उसके साथ मारपीट कर दी। बेटा जान बचाने के लिए पास की एक दुकान में घुस गया।

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना में करें आवेदन

श्योपुर। मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त विकास निगम भोपाल द्वारा भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवा हितग्राहियों से स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये है। योजना में आदिवासी वर्ग के युवाओं को 1 से 50 लाख रूपये तक का ऋण उपलब्ध होगा। इस संबंध में आवेदन समस्त पोर्टल पर ऑनलाइन किये जा सकते है तथा अधिक जानकारी के लिए कलेक्टर कार्यालय स्थित आदिवासी वित्त विकास निगम के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। आदिवासी वित्त विकास निगम के शाखा प्रबंधक एवं सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण श्री राकेश गुप्ता ने बताया कि उक्त योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिए जिले को 11 प्रकरणों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना के तहत लाभ लेने के लिए मप्र के मूल निवासी अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवा जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष है तथा कक्षा 8वी परीक्षा उर्त्तीण हो, पात्र होगें। परिवार की वार्षिक आय सीमा 12 लाख रूपये से अधिक नही होना चाहिए।

पुलिस ने पकड़ा शातिर बदमाश, 4 दिन में की 5 वारदातें

ग्वालियर। बहोड़ापुर थाना पुलिस ने एक शातिर बदमाश को पकड़ा है। जब इसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई तो पुलिस भी हैरान रह गई। बदमाश ने शहर में चोरी और झपटमारी की पांच घटनाओं को सिर्फ चार दिन में अंजाम दिया है। बदमाश साइकिल से आता है और एक्टिवा चोरी करता है। फिर चोरी की एक्टिवा का हुलिया बदलकर बार-बार पुलिस के सामने से गुजर कर झपट्टामारी की वारदात को अंजाम दे रहा था। अब तीन थाना की पुलिस उससे पूछताछ में जुटी हुई है।

बता दें कि शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के कोटेश्वर रोड पर 3 जुलाई की सुबह हनुमान चौराहा निवासी महिला ऋचा गर्ग के साथ वारदात हुई थी। एक्टिवा सवार बदमाश उनके पास आया और झपट्टा मारकर उनका पर्स लूट ले गया था। जिसमें कैश के अलावा मोबाइल व कुछ दस्तावेज भी थे। इसके बाद बदमाश ने शहर में कई वारदातों को अंजाम दिया। लुटेरा झपट्टा मारकर

लूटे गए मोबाइल को एक्टिवा की डिक्की में रखकर चार दिन से घूम रहा था। यहीं उसने गलती कर दी और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस उसके पीछे लगी थी। एक दिन पहले तिघरा के पास एरिया में उसकी लोकेशन पुलिस को मिली थी, जिस पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पकड़े गए बदमाश की पहचान लक्ष्मीगंज निवासी ओम उर्फ सचिन सिंह तोमर है। उसने शुरुआती पूछताछ में बहोड़ापुर में लूट के साथ कंपू क्षेत्र से एक्टिवा चोरी और एक अन्य महिला का पर्स छीनना बताया। ऐसे में पुलिस ने उसे दो दिन की रिमांड पर लिया, तो एक साथ पांच वारदातों का खुलासा हो गया।

पकड़े गए आरोपी का जब पुलिस ने आपराधिक रिकॉर्ड निकलवाया तो पता चला कि बदमाश पेशेवर वाहन चोर है। पिछले वर्ष 2024 में आरोपी को जनकगंज थाना पुलिस ने दो बाइक चोरी के प्रकरण में पकड़ा था। उससे आधा दर्जन चोरी की बाइक मिली थीं। पुलिस रिमांड में आरोपी ने एक्टिवा चोरी से लेकर बहोड़ापुर, कंपू क्षेत्र में पर्स छीनने तक की पांच वारदातें कुबूल की हैं। उसने बताया कि 1 जुलाई को पहले एक्टिवा चोरी की थी। चोरी के वाहन से वह तिघरा घूमने गया तो वहां एक्सीडेंट होने पर वह घायल हो गया तो उसने गाड़ी वहीं छोड़ दी। इसके बाद कंपू पहुंचा और पार्किंग से साइकिल चोरी की। इसके बाद साइकिल से जीवाजीगंज पहुंचा और साइकिल वहीं छोड़कर एक्टिवा पार कर दी। इसके बाद एक्टिवा से रात भर घूमा और अगले दिन सुबह होते ही कंपू में कैंसर हॉस्पिटल की नर्स का पर्स छीन लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

भंवरपुरा थाने से भागा वाहन चोर दो दिन बाद मिला

ग्वालियर। घाटीगांव सर्कल स्थित भंवरपुरा थाना परिसर से एक वाहन चोरी का संदेही भाग गया था। तीन दिन पहले इस संदेही को वाहन चोरी के शक में पुलिस ने पकड़ा था, लेकिन उसे कोर्ट में पेश नहीं किया गया। यह भी सामने आया है कि पूछताछ के दौरान उसने कुछ चोरी के वाहनों से संबंधित अहम सुराग भी दिए थे। गुरुवार-शुक्रवार दरम्यानी रात करीब 2 बजे, जब थाना के पूछताछ कक्ष की निगरानी कर रहे पुलिसकर्मी को झपकी लगी, उसी दौरान संदेही फरार हो गया। पुलिस ने उसे जंगल से लेकर शहर तक तलाशा, लेकिन वह नहीं मिला। बाद में वह भितरवार में मिला, जहां परिजन उसे खुद थाना पुलिस के पास छोड़ गए।

तीन दिन पहले भंवरपुरा थाना पुलिस ने वाहन चोरी के संदेह में भंवरपुरा निवासी छोटू आदिवासी को हिरासत में लिया था। पुलिस ने उसे थाना लाने के बाद कोर्ट में पेश नहीं

किया और लगातार तीन दिन तक उससे पूछताछ की जा रही थी। इस दौरान उसने कुछ अहम जानकारियां भी दीं, जिससे चोरी के वाहनों के संबंध में सुराग मिले। हालांकि पुलिस ने उसे अभी तक अपनी गिरफ्तारी सूची में दर्ज नहीं किया था। गुरुवार-शुक्रवार की रात करीब 2 से 3 बजे के बीच, जब पूछताछ कक्ष की निगरानी कर रहे दीवान (हवलदार) रामअवतार सोलंकी को झपकी लगी, तो छोटू आदिवासी मौके से फरार हो गया। सुबह 3 बजे जब दीवान की नींद खुली, तो उसने देखा कि छोटू आदिवासी थाना में मौजूद नहीं है। इसके बाद थाना प्रभारी दीपक भदौरिया को तुरंत सूचना दी गई। छोटू आदिवासी के थाना से लापता होने के बाद शुक्रवार पूरे दिन और शनिवार शाम तक पुलिस और परिजनों ने उसे जंगल में तलाशा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। भंवरपुरा और आसपास का क्षेत्र घने जंगल से घिरा हुआ है, जहां मोबाइल नेटवर्क भी नहीं मिलता। इस घटना से पुलिस की चिंता इसलिए भी बढ़ गई थी, क्योंकि कुछ समय पहले भी जुए के संदेह में एक युवक को बिजौली में पकड़ा गया था, जो बाद में जंगल में भाग गया और उसकी लाश दो दिन बाद जंगल में मिली थी। पुलिस ने परिजनों को आश्वासन दिया था कि वह दो दिन में छोटू को तलाश कर सुरक्षित वापस ले आएगी। इसी दौरान परिजनों को सूचना मिली कि छोटू भितरवार में किसी रिश्तेदार के यहां पहुंच गया है। सूचना मिलने पर परिजन उसे लेकर थाना पहुंचे, जहां पुलिस ने उससे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रांसफर हुये बीते 20 दिन, भारमुक्त की प्रक्रिया सुस्त

– मैदानी जंगल खाली, फिर भी कार्यालयों में जमे बैठे सिपाही

ग्वालियर। ग्वालियर वनवृत्त के अंतर्गत कार्यआयोजना इकाई ग्वालियर में कार्यवाहक वनपालों का रिलीव कराने का मामला गर्माया हुआ है। असल में यहां पहले से ही पद से ज्यादा वनरक्षक व वनपाल पदस्थ है। जबकि रेगुलर क्षेत्रीय वन में मैदानी वन अमले की जरूरत ज्यादा है। जंगल की कई बीटें खाली है। फिर भी 40 से 50 फीसदी लोग कार्यालयों में अपनी पदस्थापना चाहते है। यही वजह है कि ग्वालियर वर्किंग प्लान कार्यालयर में जरूरत से ज्यादा स्टाफ मौजूद है। जबकि सबका वेतन वन मण्डल कार्यालय से ही जारी होता

है।

वर्तमान में आलम यह है कि वर्किंग प्लान में छोटे बड़े कर्मचारी सहित 25 से 30 लोग पदस्थ है और इनके द्वारा ग्वालियर एवं दतिया वन मण्डल का आगामी 10 साल हेतु प्लान तैयार किया जा रहा है। यहां तक तो सब ठीकठाक है, लेकिन कुछ कर्मचारियों का ट्रांसफर हुये 20 दिन हो गये है। लेकिन एक भी कर्मचारी रिलीव नहीं हुआ है। मानचित्रकार की बात करें तो शिवेन्द्र दुबे का भिण्ड वन मण्डल के लिये तबादला हो गया है। इसी तरह कार्यवाहक वनपाल संजय कुईया का डांडाखिड़क वन चौकी और राजेश प्रभाकर को मुण्डे बाबा वन चौकी का प्रभारी बनाया गया है। लेकिन एक भी कर्मचारी भारमुक्त नहीं हुआ है और न ही नवीन पदस्थापना पर उपस्थिति दर्ज कराई है। इसके अतिरिक्त सामाजिक वानिकी से हुये वन कर्मचारियों को भारमुक्त कर दिया गया है। नवीन पदस्थापनाओं पर उपस्थिति व पद भरने लगे हैं।

पीएचई के दोषी अधिकारियों के खिलाफकार्रवाई के लिये इंजीनियर्स एसोसिएशन ने सीएम को लिखा पत्र

ग्वालियर। प्रदेश में पीएचई विभाग में जलजीवन मिशन में करोड़ों रूपये के घोटाले के आरोपी अधिकारियों के खिलाफकार्रवाई के लिये मध्यप्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखा है। अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र सिंह भदौरिया के अनुसार प्रदेश में जलजीवन मिशन के तहत करोड़ों रूपये की योजनाओं में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार देखने को मिला है। जिसमें कुछ अधिकारियों के खिलाफ तो कार्रवाई की गई है। लेकिन अधिकांश को बचाया जा रहा है। प्रदेशभर में अधिकारियों की लापरवाही से योजनाओं को पुर्नरीक्षित करते हुये शासन को 2 हजार करोड़ से अधिक की हानि हुई है। इस आर्थिक अपराध में केवल उपयंत्री व सहायक यंत्रियों को ही कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। तकनीकी स्वीकृति देने वाले कार्यपालन यंत्री, अधीक्षण यंत्री को बचाने की कोशिश की जा रही है। मुरैना जिले में गंभीर आर्थिक अनियमितता जलजीवन मिशन के कार्यों में देखने को मिली है। यहां के कार्यपालन यंत्री एसएल बाथम को शासन द्वारा दोषी मानते हुये निलंबित किया गया है। इसी तरह की जांच अन्य जिलों में भी की जानी चाहिये। दोषियों के खिलाफकार्यवाही नहीं होने पर इंजीनियर एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रदेशभर में आंदोलन की राह पकड़ेंगे।

प्लाट विवाद में युवक को पिस्टल से धमकाया, की मारपीट

ग्वालियर। प्लाट विवाद के चलते बदमाश ने अपने 3 साथियों के साथ

एक युवक से बंदूक की नोक पर मारपीट कर उसे धमकाया। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के घास मंडी स्थित यादव मौहल्ले की है। मामले की शिकायत युवक ने थाने पहुंचकर की है। पुलिस ने शिकायत के बाद तीन बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। घटना का वीडियो रविवार दोपहर को सामने आया है, जबकि घटना 3 जुलाई की है।

यादव मौहल्ला निवासी नितेश यादव का प्लाट के विवाद को लेकर आनंद उर्फ बच्चा यादव विवाह चल रहा है। इसी विवाद के चलते 3 जुलाई की रात करीब 9.30 बजे आनंद उर्फ बच्चा यादव अपने साथी आशीष और छोटू रजक और बाबू कुशवाहा के साथ नितेश यादव के घर के बाहर पहुंचे थे, जहां प्लाट के विवाद को लेकर उनके बीच में मुंहबाद हो गया था। मुंहबाद बढ़ा तो आनंद यादव ने गाली-गलौज करते हुए अपनी कमर से पिस्टल निकालकर नीतेश यादव के मुंह में ठूसकर उसे धमकाने लगा। जब नितेश ने इसका विरोध किया तो उन तीनों ने मिलकर उसकी मारपीट कर दी। इतना ही नहीं उसे धमकाया कि अगर उसने पुलिस में इसकी शिकायत की तो उसे जान से खत्म कर देंगे, जिसकी शिकायत पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस से की थी पुलिस ने पीड़ित की शिकायत और सीसीटीवी प्रोजेक्ट के आधार पर तीनों बदमाशों के लाभ मामला दर्ज कर लिया है। फ्लिहाल तीनों बदमाश अपने घर से फरार हो गए हैं जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस उनके संबंधित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

डॉ. मुखर्जी ने भारत को मजबूत बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया : राजौरिया

– डॉ मुखर्जी की जन्मजयंती पर भाजपाजनों ने पुष्पांजलि अर्पित की

ग्वालियर। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा द्वारा फूलबाग स्थित डॉ. मुखर्जी जी की प्रतिमा पर भाजपा जनों ने भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया के नेतृत्व में पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। वहीं प्रतिमा पर एक वृक्ष मां के तहत भाजपा जिला अध्यक्ष राजौरिया ने पौधारोपण भी किया। वहीं फूलबाग पर स्थित बाबू जगजीवनराम की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर श्रृद्धासुमन अर्पित की गई।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक प्रख्यात राष्ट्रवादी विचारक, शिक्षाविद और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के वास्तुकार के रूप में श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक निशान, एक विधान, एक प्रधान के सिद्धांत को याद करते हुए भारत की एकता और अखंडता के लिए उनके बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुखर्जी ने भारत को एक मजबूत और एकीकृत राष्ट्र बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचार और आदर्श देश को हमेशा ष्राष्ट्र प्रथमष् के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। डॉ मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, पूर्व विधायक रामवरण सिंह गुर्जर, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जवाहर प्रजापति, शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ नितेश शर्मा, राकेश माहौर, अरविंद राय, राकेश जादौन, सुमन शर्मा, जितेन्द्र गुर्जर, उप सभापति गिर्राज कंसाना, मधुसूदन भदौरिया, जिला महामंत्रीगण विनय जैन, विनोद शर्मा, राजू पलैया, रामेश्वर भदौरिया सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

इंटर्नशिप फेयर में युवाओं ने दिखाया जोश

ग्वालियर। गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा इंटर्नशिप फेयर का आयोजन ग्रैब स्पेस कोवर्किंग में किया गया इस आयोजन में ग्वालियर शहर के विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों से छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को विभिन्न डोमेन्स जैसे इवेंट मैनेजमेंट, कंटेंट राइटिंग, सोशल मीडिया, रिसर्च एंड पब्लिक पॉलिसी, कम्युनिटी लीडरशिप आदि में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना था। फेयर में युवाओं को उनके कौशल और रुचियों के अनुसार स्पॉट इंटर्नशिप सेलेक्शन का अवसर मिला। गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन के संस्थापक आकाश बरूआ ने बताया कि इंटर्नशिप केवल अनुभव नहीं, यह आपके आत्मविश्वास और पहचान का निर्माण है। इस अवसर पर संयोजक आकाश त्रिपाठी, जयेश श्रीवास्तव, खुशबू अग्रवाल, यश कुशवाह, आशुतोष शर्मा, खुशी मित्तल, मुस्कान शिवहरे, वरूण मिश्रा, कविता गोले, राज गुप्ता आदि सदस्य उपस्थित थे।

बाबू जगजीवनराम सभी के कल्याण की सोचते थे: विधायक सिकरवार

– पुण्यतिथि पर सर्वदलीय श्रद्धांजली सभा आयोजित

ग्वालियर। पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की 39वीं पुण्यतिथि पर प्रतिमा स्थल समता पार्क फूलबाग पर सामाजिक स्तर पर मनाई गई। जिसमें विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, समतावादी सगंठनों के प्रतिनिधियों ने एकत्रित होकर पुष्पांजली अर्पित की। तत्पश्चात समता पार्क में पौधारोपण भी किया गया।

सभा में विधायक डा सतीश सिकरवार ने कहा कि बाबू जगजीवन राम इस सदी के महामानव थे वह भारत के चोटी के विचारक, भविष्य दृष्टा, ऋषि राजनेता थे जो सभी के कल्याण की सोचते थे, समतावाद के पुरौधा थेएवं भारत में पहली हरित क्रान्ति के जनक थे। श्रद्धांजली सभा में कांग्रेस

ग्रामीण अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे, भाजपा अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, गोपीलाल भारतीय, महेश मदुरिया, रामौतार जाटव, महेश अहिरवार, एम.आई.सी. सदस्य गायत्री मण्डेलिया,एम.आई.सी सदस्य अवधेश कौरव, पार्षद अंकित कटठल, पार्षद केदार बराहदिया, पार्षद सुरेद्र साहू, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष कमल माखीजानी, पार्षद राजू मीना पलैया, खाद बीज विभाग के पूर्व अध्यक्ष महेद्र यादव, सुधीर मंडेलिया सहित विनोदी जैन, सरमन राय, सतेन्द्र नागर, सीमा समाधिया, मनीशा शर्मा, ओपी प्रजापति, नरेन्द्र मकेले, अर्जुन जाटव, पूर्व पार्षद शिवराम जाटव, पूर्व पार्षद पुरूषेत्तम टमोटिया, कमलेश रोजिया, कांति जाटव, विजय माहौर, अशोक सुमन, असलम खान, आकाश जाटव, इदर उच्चाडिया, सुरेश आजपेयी, सुनील रामपुरिया, प्रतीक रोजिया आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

हरिनाम संकीर्तन यात्रा आज निकालेगी

ग्वालियर। संत आशारामजी आश्रम द्वारा गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष में आज सात जुलाई को बारादरी चौराहा मुरार से भव्य हरिनाम संकीर्तन यात्रा निकाली जाएगी। जो कि बारादरी से जिला अस्पताल रोड से सात नंबर चौराहे से छह नंबर चौराहा से राम जानकी मंदिर मुख्य सदर बाजार होते हुए वापिस बारादरी चौराहा मुरार पर पहुंचकर समाप्त होगी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी बलवीर सिंह परमार ने दी। उन्होंने बताया कि यात्रा का जगह जगह भक्तों द्वारा जल फल मिष्ठान वितरण के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जाएगा। यात्रा के साथ आधा दर्जन चार पहिया कारों का काफिला बैनरों से सुसज्जित होकर साथ में चलेगा।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के अजय मिश्रा कार्यकारी अध्यक्ष बने

ग्वालियर। कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा ग्वालियर मप्र की एक आवश्यक बैठक अध्यक्ष अरविंद शुक्ला के निवास पर संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार अजय मिश्रा को कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा ग्वालियर का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

इसी के साथ बैठक में अनुज पाठक को संयुक्त अध्यक्ष ,राजेश चतुर्वेदी को मीडिया प्रभारी तथा अतिरिक्त महामंत्री बीएम त्रिवेदी को मनोनीत किया गया। बैठक में विभिन्न निर्णय भी लिये जिसमें कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा ग्वालियर का सदस्यता अभियान चलाने, अधिकतम कान्यकुब्ज ब्राह्मणों से मिलकर उन्हें भी महासभा में शामिल करने आदि विषयों पर सहमति बनी। जिसमें

समाज के जरूरत मंद व्यक्ति की सहायता करना, समाज की विभुतियों तथा सेवा निवृत लोगों को सम्मानित करना आदि प्रमुख है। इस अवसर पर नये सदस्य धनंजय पांडे को भी माला पहना कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा ग्वालियर के संरक्षक हरिहरानंद जी महाराज ,अरविंद शुक्ला, आनंद स्वरूप मिश्रा, बीएम त्रिवेदी, धीरेन्द्र तिवारी, अनुज पाठक, शंभू दुबे, डा एमएन अवस्थी, बृजबिहारी वाजपेई आदि मौजूद थे।

विट्ठल भगवान की पालकी निकली, किया स्वागत

ग्वालियर। देवशयनी ग्यारस पर विट्ठल मंदिर खासगी बाजार से

भगवान विट्ठल जी की पालकी निकाली गई। यात्रा महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, गस्त का ताजिया, राम मंदिर चौराहा पहुँची। राम मंदिर पर पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, विजय फालके, जयंत जपे, राम नारायण मिश्रा, आनंद सावंत, डॉ नरेश देव,नवीन परांडे,यामिनी परांडे पार्षद,राजकुमार गुप्ता, रवि आनंद गौड़, संजय शांडिल्य, हर्षजीत शिंदे,नवल ओझा,मोहन सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह चौहान, विशाल कदम, मनीष जेसवानी, विशाल बत्रा सहित भारी संख्या में भक्तजनों ने पालकी में विराजमान भगवान विट्ठल जी की आरती कर प्रसाद वितरण किया। उसके बाद यह पालकी पाटनकर बाजार, दौलतगंज से गौरखी देवघर होते हुये विट्ठल मंदिर पर पहुंचकर समाप्त हुई।

हेमू कालानी मंडल ने जगन्नाथ रथयात्रा का किया स्वागत

ग्वालियर। शहर में निकली

भगवान जगन्नाथ की रथयात्राका भारतीय जनता पार्टी शहीद हेमू कालानी मंडल के कार्यकर्ताओं ने कमल किशोर चौराहा पर स्वागत किया। मंडल अध्यक्ष सत्यपाल सिंह जादौन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्जवलन और पुष्प वर्षा के साथ रथयात्रा का स्वागत किया। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के स्वरूपों की आरती की गई और मंगल गीतों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंडल अध्यक्ष सत्यपाल सिंह जादौन ने कहा कि ÷भगवान जगन्नाथ की कृपा हम सभी पर बनी रहे और समाज में सुख-शांति व समृद्धि का संचार हो, यही हमारी कामना है।÷ महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती रमा जादौन भी बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं के साथ रथयात्रा में शामिल हुई और पुष्पवर्षा कर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का स्वागत किया।

विप्र महासभा ने की पुष्पवर्षा, भेंट किया स्मृति चिन्ह

भगवान जगन्नाथ की निकली रथयात्रा का विप्र महासभा ने डॉ. दिलीप समाधिया के संयोजन में ऊंटपुल पर पुष्पवर्षा कर भगवान जगन्नाथ की आरती की गई। इस अवसर जिला प्रभारी डॉ. समाधिया ने इस्कॉन के पदाधिकारियों एवं रथयात्रा के संयोजक देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की तस्वीर स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की। इस मौके पर सर्व ब्राह्मण महासंघ के युवा जिलाध्यक्ष कपिल भार्गव, एसएस भटनागर, प्रमोद कुमार गुप्ता, विजय पाराशर, रामनिवास शर्मा, धीरज गोयल आदि उपस्थित थे।

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक आज

ग्वालियर। रबी वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं खरीफवर्ष 2025 की तैयारियों के लिये समीक्षा बैठक आज 7 जुलाई को प्रातः 10 बजे से बाल भवन के सभागार में प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। बैठक में ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिला कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत शामिल होंगे।

बजरंग भक्त मंडल ने की 820 किलो हरे चारे की गौसेवा

ग्वालियर। बजरंग भक्त मण्डल द्वारा प्रति सप्ताह की जाने वाली गौभोग सेवा के क्रम में इस सप्ताह देवशयनी एकादशी पर जनकताल स्थित गौशाला में सदस्यों

के सहयोग से 820 किलो हरे चारे की सेवा की गई। सेवा में अध्यक्ष आशीष मंगल, सचिव राकेश मंगल, उपाध्यक्ष अमन गर्ग, कोषाध्यक्ष रामकिशोर मंगल, संयुक्त उपाध्यक्ष विशाल अग्रवाल, सहसचिव नमन अवस्थी, हरीश अग्रवाल, संतोष शिवहरे, संजीव गुप्ता, दीपक बघेल, सुशील कुशवाह, मधुर अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित थे।

संपादकीय

भाषाई कट्टरपंथी, मराठी अस्मिता के नाम पर ठाकरे बंधुओं का हिंदी विरोध

मराठी भाषा के नाम पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे का मिलना आश्चर्यजनक नहीं है। राजनीति में ऐसा होता रहता है। हिंदी थोपने का विरोध और मराठी अस्मिता का हवाला देना भाषाई राजनीति है। ठाकरे बंधुओं का उद्देश्य मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता हासिल करना है। हिंदी विरोध की राजनीति तमिलनाडु और कर्नाटक जैसी है। मराठी भाषा के हित के नाम पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के हाथ मिला लेने और मंच साझा करने पर हैरानी नहीं। राजनीति में यह सब होता रहता है। 20 साल बाद साथ आए ये दोनों नेता आगे चलकर फिर अलग हो जाएं तो अचरज नहीं। जो भी हो, हिंदी थोपने की फर्जी आड़ लेना और मराठी अस्मिता का हवाला देना निकृष्ट भाषाई राजनीति के अलावा और कुछ नहीं। इसे ठाकरे बंधुओं ने यह कहकर साबित भी कर दिया कि हम दोनों मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता हासिल करेंगे। वास्तव में यही मूल उद्देश्य है और इसी कारण हिंदी विरोध की कुछ वैसी ही समाज और देश विरोधी राजनीति की जा रही है, जैसी तमिलनाडु और कर्नाटक में देखने को मिलती रहती है। यदि ठाकरे बंधु और उनके समर्थक यह सोच रहे हैं कि हिंदी का हौवा खड़ाकर वे महाराष्ट्र के लोगों की भावनाओं को भड़काने और राजनीतिक लाभ हासिल करने में समर्थ हो जाएंगे तो यह संभव नहीं। आमतौर पर लोग समझदार होते हैं और ऐसी घटिया राजनीति को अच्छे से समझते हैं। यह भी एक यथार्थ है कि कम से कम राजनीति में एक और एक ग्यारह नहीं होते। इसके तमाम उदाहरण अतीत में देखने को भी मिल चुके हैं। यह आश्चर्यजनक है कि हिंदी विरोध की राजनीति उस महाराष्ट्र में की जा रही है, जहां हिंदी समर्थक नेता, साहित्यकार, गीत-संगीत के दिग्गजों की गिनती करना कठिन है। मुंबई तो हिंदी फिल्म उद्योग का घर है। हिंदी सिनेमा ने महाराष्ट्र के लाखों मराठी भाषी लोगों को काम, दाम और नाम दिया है। वे इसे स्वीकार भी करते हैं। क्या अब ठाकरे बंधु मुंबई से हिंदी फिल्म उद्योग बाहर करने की मांग करेंगे? तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र के भाषाई कट्टरपंथी कुछ भी कहें, देश की संपर्क भाषा के रूप में हिंदी स्वीकृत और प्रतिष्ठित है। यह भी एक सच है कि इस देश की कोई संपर्क भाषा हो सकती है तो वह हिंदी ही है। अंग्रेजी यह काम नहीं कर सकती। उसे करना भी नहीं चाहिए, क्योंकि भारतीय संस्कृति का पोषण तो भारत की भाषाओं से ही हो सकता है और इस पोषण की आवश्यकता भी है। भाजपा राजनीतिक कारणों से हिंदी विरोध की गंदी राजनीति के खिलाफ तीखे तेवर नहीं अपना सकती, लेकिन कम से कम केंद्र सरकार को इस दुष्प्रचार के खिलाफ खड़ा होना चाहिए कि हिंदी थोपी जा रही है। यह निरा झूठ है। हिंदी अपनी स्वीकार्यता के कारण बढ़ रही है। देश के कम से कम 90 प्रतिशत लोग हिंदी समझ लेते हैं। जो इस सच्चाई से इन्कार करते हैं, वे स्टालिन, राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे जैसे नेता या उनके समर्थक ही हैं। हिंदी विरोध की गंदी राजनीति का एक कड़वा सच यह भी है कि इससे कुल मिलाकर अंग्रेजी का वर्चस्व बढ़ रहा है।

बच्चे के लिए खतरनाक है मोबाइल का साथ, ऐसे पाएं इस लत से छुटकारा

> हर पल मोबाइल पर आते नोटिफिकेशंस, अलर्ट और मैसेजेस उनका ध्यान भटकाते रहते हैं। उनकी एकाग्रता कम हो रही है और वे काम को बीच में छोड़कर मोबाइल देखने में लग जाते हैं । ऐसे में कोई लक्ष्य कैसे पूरा होगा ? समप्रेषण में कमी बच्चों ने आपस में मिलना-जुलना, बातचीत करना छोड़ दिया है। वे अभिभावकों और रिश्तेदारों से भी दूर गए हैं। माता-पिता से भी संवाद में कमी आ रही है। आभासी दुनिया की मदद से वे अनजान लोगों से कनेक्ट हो रहे हैं और अपने आसपास के लोगों से दूर। शब्दों के बजाय इमोजी और संक्षेपाक्षरों का उपयोग करके भाषा कौशल भी खो रहे हैं।

बच्चों का हर वक्त मोबाइल पर उंगलियां चलाना, हर समय हाथ में मोबाइल लेकर बैठना, कोई भी काम हो- चाहे खाना खा रहे हों या बाथरूम में नहाते हुए म्यूजिक सुनना हो - मोबाइल का साथ कहीं नहीं छूटता है। जब बात होमवर्क या प्रोजेक्ट से संबंधित कुछ भी सर्च करने की हो तब वे अपने पैरेंट्स या शिक्षक से मदद लेने के बजाय मोबाइल का मार्गदर्शन पसंद करते हैं। इसलिए मोबाइल कई बच्चों के लिए शरीर का एक नया एक्सटेंशन बन गया है जो चौबीसों घंटे उनके साथ रहता है।

जल्दी खो रहे धैर्य

हर समय स्क्रीन के सामने बने रहने की लत और हर काम जल्दी से हो जाने की चाहत बच्चों को अधीर बना रही है, जिसके कारण वे चिड़चिड़े हो रहे हैं। अपने माता-पिता, टीचर की थोड़ी-सी भी डांट सहन नहीं कर पाते, गुस्सा भी बहुत जल्दी आ जाता है।

कम होती एकाग्रता

हर पल मोबाइल पर आते नोटिफिकेशंस, अलर्ट और मैसेजेस उनका ध्यान भटकाते रहते हैं। उनकी एकाग्रता कम हो रही है और वे काम को बीच में छोड़कर मोबाइल देखने में लग जाते हैं । ऐसे में कोई लक्ष्य कैसे पूरा होगा ? सम्प्रेषण में कमी बच्चों ने आपस में मिलना-जुलना, बातचीत करना छोड़ दिया है। वे अभिभावकों और रिश्तेदारों से भी दूर गए हैं। माता-पिता से भी संवाद में कमी आ रही है। आभासी दुनिया की मदद से वे अनजान लोगों से कनेक्ट हो रहे हैं और अपने आसपास के लोगों से दूर। शब्दों के बजाय इमोजी और संक्षेपाक्षरों का उपयोग करके भाषा कौशल भी खो रहे हैं। असलियत में लोगों से दूर होने के कारण अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं, जिसके कारण आत्मविश्वास की कमी, डिप्रेशन, एंग्जायटी, चिड़चिड़ापन, नींद न आना जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

काम बीच में ही छोड़ देना बच्चे जब किसी काम में एक-दो बार असफल होते हैं या उसके पूरा होने में ज़्यादा समय लग रहा होता है तो वे उसे बीच में ही छोड़ देते हैं। हर समस्या का हल वे इंटरनेट पर खोजते हैं और त्वरित हल पाने की उनकी ललक अगर पूरी न हो, तो निराशा और हताशा से भर जाते हैं। ऑनलाइन गेम्स की लत बच्चों में ऑनलाइन गेम खेलने की लत बढ़ती जा रही है। कुछ बच्चे लेवल पार करने के लिए माता-पिता का पैसा लगा रहे हैं और हारने पर कुछ आत्महत्या जैसे क़दम तक उठा रहे हैं। झूठ बोलना और वित्तीय धोखाधड़ी भी बढ़ रही है। त्वरित प्रतिसाद की चाहत ये पीढ़ी आभासी दुनिया में रहना ज़्यादा पसंद कर रही है जहां सबकुछ फटाफट होता है। वे अपनी तस्वीरें, जोक्स सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं और बार- बार देखते हैं कि कितने लाइक्स, कमेंट मिले हैं। थोड़ी देर तक कोई कमेंट ना मिले या कम लाइक या कमेंट्स हों तो बेचैन होने लगते हैं। लाइक्स व फॉलोअर्स का यह हिसाब ख़तरनाक खेल भी बन चुका है।

नींद की बढ़ती समस्या देर रात तक डिजिटल उपकरण के उपयोग के कारण बच्चों को देर तक जागने की आदत बन गई है जो उन्हें हर समय फोमो का शिकार भी बना रही है। उनके हर समय स्क्रीन व नीली रोशनी के संपर्क में लगातार रहने से मेलाटोनिन का उत्पादन बाधित होता है। डूमस्क्रॉलिंग, देर रात तक बिंज-वॉचिंग और चैटिंग के कारण नींद का समय और गुणवत्ता बहुत कम हो गई है। नींद में कमी से हो रहा है चिड़चिड़ापन, मूड में उतार- चढ़ाव, ध्यान केंद्रित न कर पाना, ख़राब याददाश्त, संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, तनाव में वृद्धि, थकान व उत्पादकता घटना। यह लत मोटापे, अनिद्रा और हृदय संबंधी बीमारियों जैसी समस्याएं बढ़ाती है।

आंखों की दिक्कतें मोबाइल पर लगातार गेम खेलने या सोशल मीडिया पर ज़्यादा वक़्त बिताने के कारण बच्चों में आंखों की सेहत पर नकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। मसलन, डिजिटल आई स्ट्रेन या कंप्यूटर विज़न सिंड्रोम की समस्याएं बढ़ रही हैं। एक अध्ययन के अनुसार, 5 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चे औसतन 6-8 घंटे तक स्क्रीन पर बिताते हैं।

गौर कीजिएगा..... लत आपने लगाई, बच्चा कैसे छोड़े ? हम दो तरह के समूहों में बंटे हुए हैं- - एक समूह में वे बड़े और बुज़ुर्ग हैं, जो साल-डेढ़ साल के शिशु के कारनामों के वीडियो बनाते हैं, उनके मोबाइल पर खेल को प्रोत्साहित करते हैं, ख़ासकर मांएं, जो बच्चों को किसी गतिविधि में व्यस्त करने के लिए उन्हें मोबाइल थमा देती हैं।

जनता को तंग करने वाले फैसले, दिल्ली में पुराने वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध

राजधानी में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के आदेश के अनुसार 10 साल से पुराने डीजल और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। दिल्ली सरकार ने आयोग से अपना फैसला वापस लेने को कहा है। प्रदूषण का मुख्य कारण पुराने वाहन और सड़कों पर उड़ती धूल है। ट्रैफिक जाम के कारण भी प्रदूषण बढ़ता है क्योंकि वाहन धीमी गति से चलते हैं। हाल में राजधानी में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के इस आदेश ने दिल्ली एवं एनसीआर के लाखों वाहन मालिकों के लिए परेशानी पैदा कर दी कि उम्र पूरी कर चुके अर्थात 10 वर्ष से पुराने डीजल और 15 वर्ष से पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। यह आदेश इसलिए दिया गया, क्योंकि ऐसे वाहनों को चलन से बाहर करने के उसके आदेश पर अमल नहीं किया जा रहा था। ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल न देने के फैसले से दिल्ली के कई पेट्रोल पंपों पर अफरातफरी फैल गई। एक-दो दिन के अंदर ही यह एक राजनीतिक मसला बन गया और ऐसी आवाजें भी उठीं कि उम्र पूरी कर चुके वाहनों को एकाएक ईंधन न देने का फैसला सही नहीं है। खुद दिल्ली सरकार को आगे आना पड़ा और सीएक्यूएम से कहना पड़ा कि वह अपना फैसला वापस ले। प्रदूषण रोधी निकाय सीएक्यूएम के पास पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता के प्रबंधन का अधिकार है। पता नहीं यह निकाय किस आधार पर इस नतीजे पर पहुंच गया कि 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों के इंजन ऐसे हो जाते हैं कि उनका उत्सर्जन इतना बढ़ जाता है कि वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण बनता है। इस नतीजे पर पहुंचने के पहले अध्ययन एवं विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया ही गया होगा, लेकिन शायद इसकी अनदेखी कर दी गई कि कई वाहन मालिक अपने वाहनों का कम इस्तेमाल करते हैं। अधिकतर उनका कमर्शियल इस्तेमाल भी नहीं करते। इसके चलते उनके वाहनों के इंजन इतने खराब नहीं होते कि उन्हें प्रदूषण फैलाने का दोषी मान लिया जाए। कुछ लोगों के पास तो ऐसे वाहन हैं, जो 10 साल में 50 हजार किमी भी नहीं चले होते। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र सरकार अपनी वाहन नीति में फेरबदल करती रही है, पर उससे वायु प्रदूषण से निपटने में सफलता नहीं मिली। उत्तर भारत और विशेष रूप से राजधानी दिल्ली एवं उसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण एक विकट समस्या बना हुआ है। आबादी जैसे-जैसे बढ़ रही है, शहरों में वाहन भी बढ़ रहे हैं और उनके उत्सर्जन से होने वाला प्रदूषण भी। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि सर्दियां प्रारंभ होते ही हवा में धूल और धुएं का मिश्रण स्माग बना देता है। इसके चलते वायु प्रदूषण कई गुना बढ़ जाता है। अब साफ हवा हिमालय से लगे कुछ क्षेत्रों और सुदूर दक्षिण भारत के चंद इलाकों को छोड़कर पूरे देश में खराब ही रहती है। सर्दियों में हवा और खराब एवं कई बार तो जानलेवा हो जाती है। वायु प्रदूषण के मूल कारणों में सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, वाहनों एवं कल-कारखानों का उत्सर्जन है। इसके अलावा कोयला, लकड़ियां, उपले आदि जलाने से निकलने वाला धुआं भी वायु प्रदूषण का कारण बनता है। सर्दियों के प्रारंभ में पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि में खेतों में फसलों के अवशेष यानी पराली जलाने का चलन भी वायु प्रदूषण बढ़ाने का काम करता है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के सभी प्रमुख शहरों में ट्रैफिक जाम की स्थिति देखने को मिलती है। जब वाहन धीमी गति से चलते हैं तो वाहनों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। ट्रैफिक जाम से बचने के लिए जैसी सड़कें और अन्य आधारभूत ढांचा होना चाहिए, उसका अभाव दिखता है। यह अभाव धीरे-धीरे सारे देश भर में दिखने लगा है। हमारे शहर ट्रैफिक जाम, धूल, धुएं के लिए जाने जाते हैं। जहां सड़कों के किनारे फुटपाथ होते हैं, उनका उपयोग पैदल यात्री छोड़कर अन्य सब करते हैं। कहीं पार्किंग होती है और कहीं छोटी-मोटी दुकान लगी होती हैं। चूंकि अतिक्रमण से ग्रस्त फुटपाथों पर पैदल यात्री नहीं चल पाते, इसलिए वे मजबूरी में सड़कों पर चलते हैं। इससे सड़कों पर वाहनों का चलना और धीमा हो जाता है। इसका नतीजा जाम और वाहनों का उत्सर्जन होता है। इस स्थिति से सब अवगत हैं, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देने से इन्कार किया जा रहा है। वाहनों के खराब इंजन के चलते उनसे निकलने वाले उत्सर्जन को मापने के जो तौर-तरीके प्रचलित हैं और जिसके तहत पेट्रोल पंपों से वाहन चालक सर्टिफिकेट लेते हैं, वे फेल हो चुके हैं। एक तो लोग ऐसे सर्टिफिकेट लेने की परवाह नहीं करते और दूसरे, वाहन का इंजन चाहे जैसा हो, मनचाहा सर्टिफिकेट पैसे देकर मिल ही जाता है। होना यह चाहिए कि वाहनों के जो भी सर्विस सेंटर, वर्कशाप या सड़क किनारे के मैकेनिक हैं, उनके पास ऐसे उपकरण हों कि वे वाहनों के उत्सर्जन की भी ढंग से जांच-परख कर सकें। यह नियम बनना चाहिए कि ये सब अपने पास आए किसी भी वाहन के उत्सर्जन को हर हाल में नियंत्रित करें। उन्हें वाहन की हर तरह की कमी दूर करने और उसके ठीक हालात में होने का सर्टिफिकेट देने का भी अधिकार होना चाहिए। इस अधिकार की निगरानी वाहन निर्माता कंपनियों और सरकार को संयुक्त रूप से करनी चाहिए। वे आसानी से यह काम कर सकती हैं। वाहन निर्माता कंपनियों के पास मुनाफे के साथ सीएसआर फंड भी होता है। आखिर जो काम वाहन निर्माता कंपनियों को करना चाहिए, वह सरकार अपने हाथ में क्यों लेती है? सवाल यह भी है कि वह जनता को तंग करने वाले फैसले क्यों लेती है? यदि वाहनों की फिटनेस के लिए वाहन निर्माता कंपनियों और उनके सर्विस सेंटर, वर्कशाप आदि को जिम्मेदार बनाया जा सके तो पेट्रोल पंपों को खटारा या फिर कथित तौर पर उम्र पूरी कर चुके या फिर ज्यादा उत्सर्जन वाले वाहनों को ईंधन देने से मना करने जैसे आदेश ही न देने पड़ें। वाहन निर्माता कंपनियों को अपनी गाड़ियों की बिक्री के हिसाब से सर्विस सेंटर खोलने चाहिए और उनकी सर्विसिंग के दौरान उनके उत्सर्जन स्तर का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वाहन निर्माताओं के लिए यह भी जरूरी हो कि वे बेहतर तकनीक का इस्तेमाल करते हुए ऐसे इंजन निर्मित करें, जिनसे उत्सर्जन कम से कम हो और पुराने वाहनों की सर्विसिंग सही तरीके से हो। हमारे नीति नियंता और नौकरशाह जब वायु प्रदूषण से निपटने के नाम पर वाहन स्वामियों को परेशान करने वाले फैसले ले लेते हैं तो वे राजनीतिक मसला बन जाते हैं और अक्सर वे वापस लेने पड़ते हैं।

नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं का बदलेगा पैटर्न

> कोचिंग पर बच्चों की निर्भरता घटाने के लिए शिक्षा मंत्रालय की ओर से गठित नौ सदस्यीय समिति ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। साथ ही संकेत दिए हैं कि इन परीक्षाओं में अब अभ्यर्थियों की परख बुद्धि, दृष्टिकोण और व्यक्तित्व आदि स्तरों पर की जाएगी। प्रश्न पत्रों के स्तर को भी सीबीएसई सहित सभी राज्यों के शिक्षा बोर्ड की 11वीं और 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम के अनुरूप ही रखा जाएगा। समिति से जुड़े सदस्यों के मुताबिक इसका मतलब ये कतई नहीं होगा कि परीक्षाओं में आसान सवाल पूछे जाएंगे, बल्कि प्रश्न कुछ इस तरह से तैयार होंगे कि कोई रट्टा मारकर उनके उत्तर नहीं दे सकेगा।

डाक्टर या इंजीनियर बनने की दौड़ में शामिल छात्रों की कोचिंग कक्षाओं पर दिनों-दिन बढ़ रही निर्भरता को लेकर शिक्षा मंत्रालय की चिंताएं बढ़ी हुई हैं। वह बच्चों को रटने-रटाने के इस खेल से बाहर निकाल उन्हें स्कूली माहौल में पढ़ते व बढ़ते देखना चाहता है, जहां उनको पढ़ाई के साथ खेल-कूद जैसी दूसरी गतिविधियों के लिए भी समय मिलता है। यही वजह है कि मंत्रालय ने नीट-जेईई मेन जैसी परीक्षाओं के लिए पैटर्न में बदलाव को लेकर बड़ी तैयारी शुरू की है। संभव है कि अगले साल नीट व जेईई मेन जैसी परीक्षाओं में यह बदलाव दिखाई भी दे। कोचिंग पर बच्चों की निर्भरता घटाने के लिए शिक्षा मंत्रालय की ओर से गठित नौ सदस्यीय समिति ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। साथ ही संकेत दिए हैं कि इन परीक्षाओं में अब अभ्यर्थियों की परख बुद्धि, दृष्टिकोण और व्यक्तित्व आदि स्तरों पर की जाएगी। प्रश्न पत्रों के स्तर को भी सीबीएसई सहित सभी राज्यों के शिक्षा बोर्ड की 11वीं और 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम के अनुरूप ही रखा जाएगा। समिति से जुड़े सदस्यों के मुताबिक

इसका मतलब ये कतई नहीं होगा कि परीक्षाओं में आसान सवाल पूछे जाएंगे, बल्कि प्रश्न कुछ इस तरह से तैयार होंगे कि कोई रट्टा मारकर उनके उत्तर नहीं दे सकेगा। मौजूदा समय में जेईई मेन में हर साल करीब 13 लाख व नीट - यूजी में करीब 23 लाख छात्र शामिल हो रहे हैं। कमेटी ने परीक्षा पैटर्न और प्रश्नपत्र के साथ ही स्कूलों की पढ़ाई के तौर-तरीकों और अभिभावकों के सोच बदलाव लाने की जरूरत पर जोर दिया है। स्कूलों से नीट, जेईई या एनडीए जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों को पहले से पहचान कर उन्हें पढ़ाई के दौरान इससे जुड़ी अतिरिक्त कक्षाएं लगाने जैसी व्यवस्था बनाने पर जोर दिया है, ताकि बच्चों को इसके लिए कोचिंग की ओर रुख न करना पड़े। मौजूदा समय में नवोदय विद्यालयों में इस तरह के प्रयोग शुरू भी हुए हैं। कमेटी की चिंता यह भी है कि यदि स्कूलों ने इस दिशा में ध्यान नहीं दिया तो नौवीं के बाद स्कूलों में बच्चे नहीं दिखेंगे। कक्षाएं सिर्फ कागजों पर ही चलेंगी। वहीं अभिभावकों की काउंसलिंग पर भी जोर देने की योजना बनाई जा रही है। कोचिंग पर बढ़ती निर्भरता से बच्चों का न सिर्फ बौद्धिक और व्यक्तित्व विकास प्रभावित हो रहा है, बल्कि उनमें डिप्रेशन भी बढ़ रहा है।

दीदी की दुकान महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय

> हाल की कई रिपोर्ट में यह बात आई है कि देश में महिलाओं में स्वरोजगार बढ़ा है। एक आंकड़े के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी 37 प्रतिशत हो गई। यह बढ़त मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक दिखी है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रमुख कारण महिलाओं के आत्मनिर्भर होने और किसी न किसी स्वयं सहायता समूह से जुड़ा होना समझा जाता है। इन स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को पिछले दस वर्षों में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सशक्त किया गया है।

हाल की रिपोर्टों में महिलाओं में स्वरोजगार बढ़ने की बात सामने आई है। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में दीदी की दुकान पहल महिलाओं को उद्यमशीलता का प्रशिक्षण दे रही है जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। इन दुकानों पर रोजमर्रा के सामान के साथ महिलाओं की जरूरत की चीजें भी मिलती हैं। हाल की कई रिपोर्ट में यह बात आई है कि देश में महिलाओं में स्वरोजगार बढ़ा है। एक आंकड़े के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी 37 प्रतिशत हो गई। यह बढ़त मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक दिखी है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रमुख कारण महिलाओं के आत्मनिर्भर होने और किसी न किसी स्वयं सहायता समूह से जुड़ा होना समझा जाता है। इन स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को पिछले दस वर्षों में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सशक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले का गजरौला ब्लाक इन तथ्यों की पुष्टि कर रहा है। यहां पिछले दो वर्ष से 'दीदी की दुकान' पहल के अंतर्गत चयनित एसएचजी की महिलाओं को व्यवसाय एवं उद्यमशीलता में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे कई 'उद्यमी दीदी' अपनी दुकान चला रही हैं। बी-एबल फाउंडेशन की एक परियोजना के तहत इस प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई थी, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संगठित एसएचजी से इन महिलाओं को चुना गया। अन्य महिलाएं भी इस पहल का हिस्सा हैं, जो किसी एसएचजी से नहीं जुड़ी हुई हैं। दीदी की दुकानों की खास बात यह है कि परचून और रोजमर्रा के राशन के सामान के साथ-साथ इनमें महिलाओं की जरूरतें संबंधी वस्तुएं भी मिलती हैं। इन दुकानों में सैनेटरी नैपकिन भी उपलब्ध हैं, जिन्हें लड़कियां, महिलाएं बिना हिचक खरीदती हैं। इन दुकानों पर रंग बिरंगी चूड़ियां, राखियां, सिलाई-कढ़ाई आदि के सामान भी खूब मिलते हैं। एक दीदी की दुकान में फ्रिज होने से कोल्ड ड्रिंक्स, शरबत और डेरी का सामान है। कई दुकानों में गिफ्ट आइटम भी बिकते हैं। इन दुकानों को कुछ निजी कंपनियों ने अलमारी, रैक और काउंटर टेबल अपने कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व-सीएसआर के तहत उपलब्ध कराए हैं। कई 'उद्यमी दीदी' महीने में 20 से 25 हजार रुपये कमा लेती हैं। इस पहल के अंतर्गत दीदियों को इसके लिए प्रोत्साहित किया गया है कि वे हर प्रकार का सामान अपनी दुकानों पर रखें, ताकि गांव वालों को न तो साप्ताहिक हाट-बाजारों पर निर्भर रहना पड़े और न ही शहर पर। इस योजना से सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि महिलाएं आगे आकर दुकानों का कारोबार संभाल रही हैं, जो एक जमाने तक सिर्फ पुरुषों का ही व्यवसाय माना जाता था। इससे कई प्रकार की लैंगिक रूढ़िवादिताएं बदली हैं। अब न केवल महिलाएं आर्थिक तौर पर सशक्त हो रही हैं, बल्कि उनकी सामाजिक गतिशीलता में भी बदलाव आया है। स्वयं सहायता समूहों और उद्यमता से सशक्त हो रही महिलाएं बताती हैं कि उन्हें एक नई पहचान मिली है और अब उनकी भी एक 'आइडेंटिटी' है। यह एक बड़ा बदलाव है। तमाम रिसर्च बताती हैं कि इस तरह की पहल से महिलाओं के आत्मसम्मान में बढ़ोतरी होती है। जैसे कि एक दीदी बताती हैं कि पहले वे अपने घर से बाहर नहीं निकलती थीं, पर अब उनकी दुकान गांव का एक अहम 'लैंडमार्क' बन गई है। यदि किसी को आनलाइन या डाक से कुछ मंगवाना हो तो वह 'दीदी की दुकान' के पते पर पहुंच जाता है। इस तरह ये दीदियां सिर्फ गांव की जरूरतें ही नहीं, बल्कि एक प्रकार से गांव की आकांक्षाओं और आर्थिक सशक्तीकरण की 'ब्रांड एंबेसडर' जैसी बन गई हैं। इस प्रोजेक्ट को यूनिसेफ की भी मदद मिल रही है। जैसे प्रत्येक माह सबसे अधिक बिक्री करने वाली दीदी को बैटरी से चलने वाला एक पंखा यूनिसेफ के सौजन्य से भेंट किया जाता है।

शुभमन 1 टेस्ट में 430 रन बनाने वाले पहले भारतीय, भारत ने पहली बार हजार रन बनाए

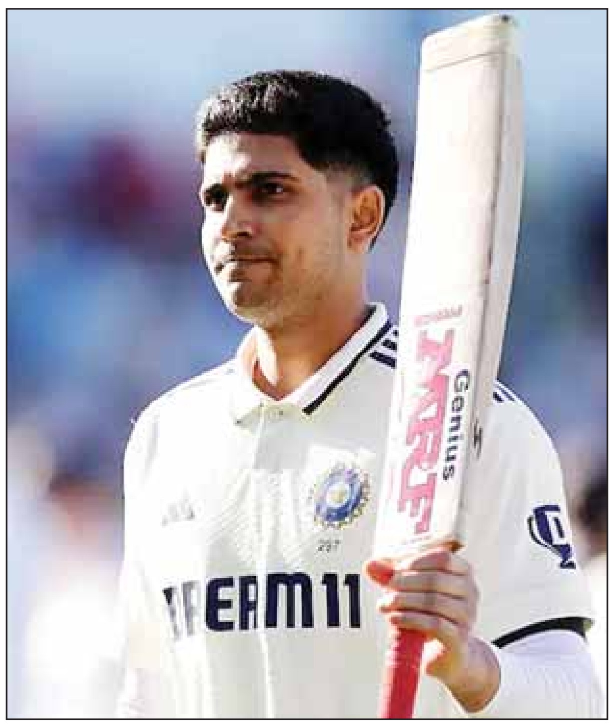

नई दिल्ली बर्मिंघम टेस्ट जीतने के लिए भारत ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया। शनिवार को मुकाबले के चौथे दिन भारत से शुभमन गिल ने 161 रन बनाए। उन्होंने पहली पारी में 269 रन बनाए थे, इसी के साथ वे एक टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले पहले भारतीय बने। टीम इंडिया ने टेस्ट की दोनों पारियां मिलाकर 1014 रन बनाए। टेस्ट इतिहास में भारत ने पहली बार ही एक मैच में हजार रन का आंकड़ा पार किया।

1. शुभमन एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बना दिए। उन्होंने एक टेस्ट में 430 रन बना दिए। यह किसी भारतीय कप्तान से एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन हैं। गिल ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मैच में 293 रन बनाए थे।शुभमन 400 रन बनाने वाले पहले भारतीय शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 344 रन बनाए थे। तब गावस्कर ने पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में दोहरा शतक लगाया था। गिल एक पारी में शतक और दूसरी में दोहरा शतक लगाने वाले भारत के दूसरे ही खिलाड़ी बने।

3. शुभमन 1 टेस्ट में दूसरे हाईएस्ट स्कोरर शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड से महज 27 रन दूर रह गए। एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड इंग्लैंड के ग्राहम गूच के नाम है। जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ ही 456 रन बनाए थे। शुभमन टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले दुनिया के 5वें ही प्लेयर बने।

बांग्लादेश ने श्रीलंका से दूसरा वनडे 16 रन से जीता, तनवीर इस्लाम को 5 विकेट

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने कोलंबों में खेले गए दूसरे वनडे में श्रीलंका को 16 रन से हरा दिया। मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.5 ओवर में 248 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में मेजबान श्रीलंकाई टीम 48.5 ओवर में 232 रन बनाकर सिमट गई।

इस जीत के साथ ही बांग्लादेश की टीम ने दमदार वापसी करते हुए सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया। ऐसे में 3 मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला मंगलवार (8 जून) को पल्लेकेले में खेला जाएगा। बांग्लादेश से तनवीर इस्लाम ने 5 विकेट लिए, उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। परवेज हुसैन एमोन ने 67 रन की पारी खेली।

बांग्लादेश की खराब शुरुआत बल्लेबाजी में बांग्लादेशी टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। टीम ने अपना पहला विकेट सिर्फ 10 रन के स्कोर पर गंवा दिया। तंजीद हसन के रूप में बांग्लादेश को पहला विकेट गिरा। हालांकि, इसके बाद एमोन और नजमुल हुसैन शांतो ने दूसरे विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी की। शांतों ने 14 रन बनाए। एमोन ने 69 गेंदों में 67 रन की पारी खेली।

तौहीद ह्दोय ने भी बनाए 51 रन एमोन के अलावा तौहीद ह्दोय ने भी बांग्लादेश का स्कोर 200 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 69 गेंदों में 51 रन बनाए, जिसमें दो चौके शामिल थे।

इसके अलावा बांग्लादेश की तरफ से तजीम हसन साकिब ने 21 गेंदों में 33 रनों का योगदान जबकि जकर अली ने 24 और शमीम हुसैन ने 22 रन बनाए। बॉलिंग में श्रीलंका की तरफ से फर्नांडो ने 35 रन देकर 4 विकेट लिए और हसरंगा के खाते में 3 विकेट आया।

अपनी रिकॉर्डतोड़ पारी के लिए वैभव ने गिल को दिया श्रेय, कहा- मुझे उनसे काफी प्रेरणा मिली

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं। सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा वनडे मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई के एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे। गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी।

सूर्यवंशी ने कहा, मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा। अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा। मैं जितने अधिक रन बनाऊंगा, मेरी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा। सूर्यवंशी ने कहा कि जब तक वह ड्रेसिंग रूम में नहीं लौटे, उन्हें अपने बनाए गए रिकॉर्डों के बारे में पता नहीं था। उन्होंने युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि 100 रन बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया कि मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। सभी ने मुझे बधाई दी।

विंबलडन- नोवाक जोकोविच की 100वीं सिंगल्स जीत

नई दिल्ली। विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर नोवाक जोकोविच ने अपने करियर की 100वीं विंबलडन सिंगल्स जीत दर्ज की। उन्होंने सर्बिया के ही मियोमिर केकमानोविच पर 6-3,6-0, 6-4 से जीत दर्ज की। वहीं स्टेडियम में मौजूद उनकी 7 साल की बेटी तारा जोकोविच ने डांस करके सभी का दिल जीत लिया।

मैच के बाद जब जोकोविच ऑन-कोर्ट इंटरव्यू दे रहे थे, तो उनसे इस डांस के बारे में पूछा गया। इस पर जोकोविच ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ये डांस मेरी बेटी तारा और बेटे के साथ हमारी एक फैमिली ट्रेडिशन बन चुका है। इस गाने का नाम है %पंप इट अप%।

सिनर राउंड ऑफ 16 में पहुंचे टेनिस के वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर ने विंबलडन के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उन्होंने तीसरे राउंड के मुकाबले में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को सीधे सेट में हरा दिया। दूसरी ओर विमेंस सिंगल्स में भी नंबर-1 एरिना सबालेंका ने अपना मैच जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

सिनर ने 3 डबल फॉल्ट किए इटली के सिनर ने मार्टिनेज को 6-1, 6-3, 6-1 के अंतर से हराया। सिनर ने 3 बार अपनी सर्विस डबल फॉल्ट की और मार्टिनेज को पॉइंट्स दे दिए। मार्टिनेज ने एक भी डबल फॉल्ट नहीं किया। मेंस सिंगल्स में इटली के फ्लावियो कोबोली ने भी अगले राउंड में जगह बना ली। उन्होंने चेक रिपब्लिक के याकुब मेनसिक को 6-2, 6-4, 6-2 से हराया।

ग्रेनेडा टेस्ट- ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 254 रन की हुई

ग्रेनेडा में हो रहे दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 254 रन की बढ़त बना ली है। कंगारू टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में 7 विकेट खोकर 221 रन बना लिए हैं। एलेक्स केरी 26 और पैट कमिंस 4 बना कर क्रीज पर हैं।

इससे पहले वेस्टइंडीज की पहली पारी 253 रन पर सिमट गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे। इसी आधार पर ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी की शुरुआत में 33 रन की लीड मिली थी।

स्टीव स्मिथ ने लगाया 43 वां अर्धशतक स्टीव स्मिथ ने 71 रन की पारी खेली। यह उनका 43 वां अर्धशतक था। स्मिथ के अलावा कैमरून ग्रीन ने भी 52 रन बनाए। शनिवार को पहले सेशन में टीम के 28 रन पर 3 विकेट गिर गए थे। इसके बाद कैमरून ग्रीन और स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला।

स्मिथ ने ग्रीन के साथ चौथे विकेट के लिए 153 गेंदों पर 93 रन की साझेदारी की। उसके बाद उन्होंने ट्रैविस हेड के साथ पांचवें विकेट के लिए 77 गेंदों पर 58 रन की पार्टनरशिप की। लेकिन चाय के बाद जस्टिन ग्रीव्स ने उन्हें ख्न्न्ह्व आउट किया।

व्यापार

जून में अनाज सस्ते, पर दूध-तेल की महंगाई ने बढ़ाया बोझ, वैश्विक खाद्य कीमतों में हलचल

नई दिल्ली। जून 2025 में वैश्विक खाद्य महंगाई को लेकर एक मिश्रित तस्वीर सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जहां अनाज और चीनी जैसी बुनियादी चीजों के दामों में गिरावट से उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है, वहीं दूध, वनस्पति तेल और मांस जैसे जरूरी उत्पादों की बढ़ती कीमतों ने थाली को महंगा कर दिया है। इस बीच वैश्विक स्तर पर अनाज उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जगी है, लेकिन गर्मी और सूखे जैसे जलवायु जोखिमों ने भविष्य को लेकर चिंताएं गहरा दी हैं। एफएओ के फूड प्राइस इंडेक्स के अनुसार जून में खाद्य कीमतों में कुल मिलाकर 0.5त्न की बढ़त दर्ज की गई, जिससे सूचकांक 128 अंकों पर पहुंच गया। यह वृद्धि भले मामूली हो, लेकिन मार्च 2022 के शिखर से यह अभी भी 20.1त्न नीचे है। जून में जहां अनाज और चीनी के दाम गिरे वहीं डेयरी, मांस और तेल की महंगाई ने महंगाई को ऊपर की ओर खींचा। जून में अनाज मूल्य सूचकांक 107.4 अंक पर दर्ज किया गया जो मई के मुकाबले 1.5त्न कम है। मक्का, जौ और ज्वार के दामों में गिरावट अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे उत्पादक देशों की आपूर्ति के कारण आई। हालांकि गेहूं महंगा हुआ क्योंकि यूरोप, रूस और अमेरिका में खराब मौसम की आशंकाओं ने कीमतों को ऊपर खींचा। एफएओ का अनुमान है कि वर्ष 2025 में वैश्विक अनाज उत्पादन 292.5 करोड़ टन तक पहुंच सकता है जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा।

तेल की महंगाई ने ऊपर खींचा सूचकांक

जून में वनस्पति तेल मूल्य सूचकांक 2.3त्न चढ़कर 155.7 अंक पर पहुंच गया। पाम, सोया और रेपसीड तेल की कीमतों में तेजी आई, जबकि सूरजमुखी तेल सस्ता हुआ। पाम तेल की कीमत में लगभग 5त्न की वृद्धि हुई, क्योंकि वैश्विक मांग तेज रही। वहीं, सोया तेल की कीमतें अमेरिका और ब्राजील में बायोफ्यूल मांग के चलते बढ़ीं। रेपसीड तेल की कीमतें भी वैश्विक आपूर्ति की चिंता के कारण बढ़ीं।

12 से अधिक देशों के साथ निवेश संधि पर भारत कर रहा मजबूती से बातचीत, अधिकारी बोले- जल्द होगी घोषणा

नई दिल्ली। भारत इस समय 12 से अधिक देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) को लेकर सक्रिय बातचीत कर रहा है। इनमें सऊदी अरब, कतर, इस्राइल, ओमान, यूरोपीय संघ, स्विट्जरलैंड, रूस और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। इसके अलावा ताजिकिस्तान, कंबोडिया, उरुग्वे, मालदीव और कुवैत के साथ भी चर्चा चल रही है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आने वाले तीन से छह महीनों के भीतर कुछ देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि समझौते को अंतिम रूप देकर उसकी घोषणा की जा सकती है। द्विपक्षीय निवेश संधि यानी दो देशों के बीच ऐसा समझौता होता है, जो एक-दूसरे के देशों में किए गए निवेश की सुरक्षा और प्रोत्साहन की गारंटी देता है। इससे विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ता है और निवेश में तेजी आती है।

भारत की नई नीति और हालिया प्रगति

भारत सरकार ने हाल ही में मौजूदा बीआईटी मॉडल में सुधार करने की घोषणा की है ताकि वह निवेशक-हितैषी बन सके और अधिक विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया जा सके। 2024 में भारत ने यूएई और उज्बेकिस्तान के साथ दो द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए हैं। यूएई के साथ हालिया बीआईटी में विवाद की स्थिति में स्थानीय कानूनी उपायों की अवधि को 5 साल से घटाकर 3 साल कर दिया गया है। यह कदम निवेशकों और सरकार दोनों के हित में माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि स्थानीय उपायों को अपनाना और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का विकल्प देना, दोनों पक्षों के लिए संतुलन कायम करता है। इससे सरकार को लम्बी कानूनी लड़ाइयों से बचने में मदद मिलती है और निवेशकों को भी विवाद सुलझाने का विकल्प मिलता है। एक अन्य अधिकारी के मुताबिक, भारत का मकसद ऐसा निवेश ढांचा बनाना है जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो, लेकिन साथ ही घरेलू नीतिगत स्वतंत्रता भी बरकरार रखे।

टॉप-10 कंपनियों में 6 की वैल्यू 70,326 करोड़ कम हुई

रिलायंस का मार्केट कैप 15,359 करोड़ बढ़कर 20.67 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। मार्केट वैल्यूएशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 6 की वैल्यू इस हफ्ते के कारोबार में 70,326 करोड़ रुपए कम हुई है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक टॉप लूजर रहा। प्राइवेट सेक्टर के सबसे बैंक का मार्केट कैप बीते हफ्ते ?19,285 करोड़ कम होकर 15.25 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

आईसीसी बैंक का मार्केट कैप इस दौरान ?13,567 करोड़ कम होकर, ?10.29 लाख करोड़ रह गया है। वहीं, बजाज फाइनेंस में ?13,236 करोड़, एलआईसी में 10,246 करोड़, टीसीएस में 8,032 करोड़ और एयरटेल की वैल्यूएशन में 5,959 करोड़ की गिरावट हुई है।

वहीं, देश की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यू ?15,359 करोड़ रुपए बढ़कर ?20.67 लाख करोड़ पर पहुंच गई है।

पिछले हफ्ते इंफोसिस ने अपनी वैल्यूएशन में ?13,128 करोड़ जोड़ा है। अब कंपनी की वैल्यू ?6.81 लाख करोड़ पर पहुंच गई है।

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

जोमैटो के फूड और डिलीवरी बिजनेस के सीईओ बने आदित्य, वे राकेश रंजन की जगह लेंगे

नई दिलली। ऑनलाइन फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी कंपनी एटर्नल (पूर्व में जोमैटो) ने आदित्य मंगला को अपने फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी बिजनेस का नया चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (ष्टश्वह्र) और सीनियर मैनेजमेंट प्रोफेशनल (स्रूक्क) नियुक्त किया है। कंपनी ने रविवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है।

कंपनी ने बताया कि मंगला की नियुक्ति 6 जुलाई 2025 को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मंजूरी के बाद दो साल के लिए की गई है। आदित्य मंगला राकेश रंजन की जगह लेंगे, जिनके कंपनी छोड़ने की खबर अप्रैल में आई थी।

राकेश रंजन ने सीईओ के रूप में दो साल पूरे किए

एटर्नल ने बताया कि राकेश रंजन ने फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी बिजनेस के ष्टश्वह्र के रूप में दो साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है और वे 6 जुलाई 2025 से एसएमपी के रूप में अपनी भूमिका से भी हट जाएंगे।

एटर्नल के अनुसार, आदित्य मंगला वर्तमान में कंपनी में फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी के प्रोडक्ट हेड हैं। मार्च 2021 में एटर्नल से जुड़ने के बाद उन्होंने फूड डिलीवरी बिजनेस में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं, जिनमें हेड ऑफ सप्लाई और हेड ऑफ कस्टमर एक्सपीरियंस शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने रेस्टोरेंट पार्टनर सिस्टम को बेहतर बनाने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कस्टमर सेटिस्फेक्शन बढ़ाने पर फोकस किया।

एटर्नल से पहले मंगला ने कई स्टार्टअप और टेक-बेस्ड कंपनियों में प्रॉफिट एंड लॉस (पीएंडएल), प्रोडक्ट और मार्केटिंग से जुड़ी सीनियर पोजीशन पर काम किया है। उनकी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन की बात करें तो उन्होंने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस से मैनेजमेंट में क्कत्नक्क किया है, जहां उन्हें टॉर्चबेयरर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

वनवासियों के कल्याण के लिए करें सभी प्रबंध : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्नेह का बंधन एकतरफा नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार हर पल वनवासियों के साथ खड़ी है, यह बात पूरी शिद्दत से उन तक पहुंचनी चाहिए। सभी वनवासियों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें और उनके जीवन में विकास का प्रकाश लाने की दिशा में काम करें। वनवासियों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत एवं रोजगार कर रहे बच्चों का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं। इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीड-बैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकार की योजनाएं तथा सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम और पेसा एक्ट के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति तथा इसी विषय के लिए गठित कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कार्य एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वनाधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावों का तेजी से निराकरण कर 31 दिसंबर 2025 तक पेंडेसी जीरो करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबालाईजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है। इन सभी पेसा मोबालाईजर्स की अपने काम पर उपस्थिति और उच्च कोटि का कार्य प्रदर्शन फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबालाईजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है।इस निर्णय से एकरूपता आएगी और ग्राम सभाएं पेसा मोबालाईजर्स से अपने मुताबिक काम भी ले सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वनवासियों की बेहतरी के लिए संकल्पित है। उनके सभी हितों की रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वन विभाग का मैदानी अमला यह सुनिश्चित करे कि वन भूमि पर अब कोई भी नये अतिक्रमण कदापि न होने पाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए महाराष्ट्र सरकार के %जलयुक्त शिविर% अभियान की तरह समन्वय पर आधारित मॉडल मध्यप्रदेश में भी अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों द्वारा इस अधिनियम के अमल के लिए की जा रही कार्यवाही के सभी पहलुओं का अध्ययन कर लें और जो सबसे उपयुक्त है उसी मॉडल पर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए विधायकों द्वारा विजन डॉक्यूमेंट बनाया गया है। वनाधिकार अधिनियम और पेसा कानून के अमल के लिए समुचित प्रावधान भी इसी विजन डॉक्यूमेंट में शामिल कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार क्रमबद्ध रूप से विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समूहों और अन्य जनजातीय बहुल गांव, मजरों-टोलों तक सड़कों का निर्माण कर रही है। ग्राम पंचायत विकास कार्ययोजना में पेसा कोष की राशि खर्च करने का अधिकार भी संबंधित पेसा ग्राम सभा को दिया जा रहा है। बैठक में समिति के सदस्य एवं पूर्व विधायक श्री भगत सिंह नेताम ने बताया कि वनाधिकार अधिनियम के प्रभावी अमल के लिए बालाघाट जिले में पुलिस विभाग द्वारा सभी पुलिस चौकियों में एकल सुविधा केन्द्र स्थापित कर इसके जरिए कैम्प लगाकर जनजातियों को लाभान्वित किया जा रहा है। अब तक 450 वनाधिकार दावे भरवाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस नवाचार की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी 88 जनजातीय विकासखंडों वाले जिलों के कलेक्टर को बालाघाट मॉडल भेजकर इसी अनुरूप कार्यवाही करने के लिए कहा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र के सभी गांवों के विकास के लिए प्रस्ताव दिए जाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्य एक्शन प्लान बनाकर किया जाए। उन्होंने कहा कि 31 दिसम्बर 2025 तक सभी गांवों के दावे प्राप्त कर लें और इसी दौरान इनका निराकरण भी कर लें। वन अधिकारियों की ट्रेनिंग का काम 15 अगस्त तक पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई तकनीकी परेशानी आ रही है तो इसके लिए वन और जनजातीय कार्य विभाग मिलकर एक नया पोर्टल भी विकसित

- सरकार वनवासियों के साथ है, यह भावना जन जन तक जानी चाहिए
- दुग्ध उत्पादन के जरिए जनजातीय भाई-बहनों की बढ़ाएं नकद आय
- पेसा मोबालाईजर की नियुक्ति के अधिकार अब ग्राम सभाओं को देगी सरकार
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वनाधिकार और पेसा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्यस्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति की पहली बैठक में दिए निर्देश

कर लें।

वनांचल विकास केन्द्र को करें और अधिक सक्रिय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातियों के पारम्परिक ज्ञान को उनके विकास के लिए बनाई जा रही नीति निर्माण में भी शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं को और भी सशक्त बनाने, सामुदायिक वन संसाधनों के समुचित प्रबंधन, जैव विविधता के संरक्षण और वन एवं वनोपज संसाधनों के न्यायसंगत वितरण के लिए वन/वनांचल विकास केन्द्रों को और अधिक भी सक्रिय कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि ये केंद्र वन अनुसंधान, प्रशिक्षण, मार्केट लिंकेज और कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व-सीएसआर/कैम्पा जैसे वित्त स्रोतों के समन्वय में महत्त्वपूर्ण भूमिका भी अदा करें।

सामुदायिक आजीविका पर करें फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आजीविका सबसे पहली जरूरत होती है। सामुदायिक आजीविका के साधनों पर फोकस कर जनजातियों की नकद आय के साधन बढ़ाने की दिशा में उन्हें दुग्ध उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्हें शासन की योजना के तहत अधिक से अधिक दुधारू पशु (मुख्यत- गाय, भैंस) उपलब्ध कराए जाएं। इससे वे आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि जनजातियों को कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की रोजगारमूलक योजनाओं से भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि चूंकि वनवासी वनोपजों पर विशेष रूप से आश्रित रहते हैं। इसलिए लघु वनोपजों के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन गतिविधियों में जनजातीय समुदायों को लाभ का बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए,इससे उनका जीवन स्तर सुधरेगा। औषधीय पौधों की खेती पर विशेष जोर दिया जाए ताकि जनजातीय वर्ग के उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्गों की स्थायी आजीविका विकास के लिए मूल्य संवर्धन केंद्र भी विकसित किए जाएं, जिससे जनजातियां रोजगार की तलाश में बाहर न जाएं और युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिल जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातियों द्वारा उत्पादित श्रीअन्न के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए। श्रीअन्न से बिस्किट, कुकीज, खीर और हलवा जैसे उत्पाद तैयार कर इन्हें खुले बाजार में बेचने के लिए जनजातियों को मार्केट लिंकेज प्रदान करें। उन्होंने कहा कि श्रीअन्न में कोदो-कुटकी को लोग उपवास में मोरधन के रूप में खाते हैं, यह अच्छी बात है इससे श्रीअन्न की खपत बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम के अच्छे परिणाम पाने के लिए हमें समन्वित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। वन अधिकार अधिनियम, पेसा, बीडीए जैसे सभी कानूनों को एकीकृत रूप से ग्रामसभा स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। इसके लिए ग्रामसभा को ही निर्णय का केंद्र बिंदु संस्था बनाया जाना चाहिए। सभी विभागीय योजनाओं का समन्वय ग्रामसभा के माध्यम से ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के ग्रामों के विकास के लिए ग्रामसभा, वन विभाग और निवेशक तीनों मिलकर पारदर्शिता और हितग्राहियों को लाभ वितरण तय करें। सभी विभाग आपसी समन्वय से ग्रामसभा के नेतृत्व में कार्य करें, जिससे समावेशी विकास और स्थायी पर्यावरण संरक्षण दोनों सुनिश्चित किए जा सकें। बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा भी अपनी बात तथ्यात्मक रूप से रखी गई और वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के फील्ड में बेहतर क्रियान्वयन के लिए अपने-अपने सुझाव दिए गए।

अब तक 2.89 लाख से अधिक दावे मान्य किए गए

बैठक में प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य ने बताया कि वर्ष 2008 से 2023 तक कुल 2 लाख 89 हजार 461 वनाधिकार दावे मान्य किए गए हैं। लंबित दावों के निराकरण केलिए कार्यवाही की जा रही है। वन मित्रा पोर्टल के अनुसार जिलों द्वारा पूर्व में मान्य किए गए दावों के सत्यापन के उपरांत अपात्र पाए गए हितग्राहियों के वनाधिकार दावे अमान्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुन- परीक्षण के लिए 87 हजार 283 और एक लाख 86 हजार 224 नए प्राप्त दावे इस प्रकार कुल 2 लाख 73 हजार 457 दावे अभी लंबित स्थिति में है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के बड़वानी, धार, खरगोन, मंडला, बैतूल, छिंदवाड़ा, शहडोल, खंडवा, सिंगरौली, रायसेन, डिण्डौरी, अलीराजपुर, बुरहानपुर, सिवनी, उमरिया और बालाघाट जिले में 7-7 हजार से भी अधिक वनाधिकार दावे मान्य किए गए हैं। टास्क फोर्स की शीर्ष समिति की इस पहली बैठक में समिति उपाध्यक्ष तथा जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, समिति उपाध्यक्ष तथा वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, समिति के पदेन सदस्य सचिव तथा मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, समिति के पदेन सदस्य सह सचिव तथा प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री गुलशन बामरा, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, टास्क फोर्स कार्यकारी समिति के पदेन सदस्य तथा अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, पदेन सदस्य तथा प्रमुख सचिव राजस्व श्री विवेक पोरवाल, पदेन सदस्य तथा संचालक पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री छोटे सिंह, समिति के सदस्य पूर्व विधायक श्री राम डांगोरे, जनजातीय मंत्रणा परिषद के डॉ. रूपनारायण मांडवे एवं श्री कालू सिंह मुजाल्दा, समिति के सदस्य विधि विशेषज्ञ डॉ. मिलिंद दांडेकर, एक्सपर्ट मेम्बर श्री गिरीश कुबेर, विषय विशेषज्ञ श्री मिलिंद थत्ते, मुख्यमंत्री के अपर सचिव श्री लक्ष्मण सिंह मरकाम, अपर आयुक्त जनजातीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान श्रीमती रीता सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रदेश के 50 प्रतिशत ग्रामों को जोड़ेंगे दुग्ध नेटवर्क से : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर किसानों और पशुपालकों की आर्थिक उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के 50 प्रतिशत गांवों को दुग्ध नेटवर्क में लाने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। नई 381 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन कर 9500 दुग्ध उत्पादकों को सहकारी डेयरी प्रणाली से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास में पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश के लिए डेयरी विकास योजना को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक संशोधन कर अधिक लाभकारी बनाने के निर्देश दिए थे। अब राज्य में दुग्ध उत्पादन की 72 प्रतिशत संभावित क्षमता को कवर करने और बाजार पहुंच को 15प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दुग्ध संग्रहण बढ़ाने, दुधारू पशुओं की नस्ल सुधार, राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से देशी नस्ल के पशुओं के लिए मॉडल फार्म विकसित करने, सांची ब्रांड की लोकप्रियता बढ़ाने, भोपाल दुग्ध संघ के अंतर्गत हीफर रियरिंग सेंटर की स्थापना, दुग्ध उत्पादक किसानों को खरीदे गए दूध की कीमत का समय पर भुगतान, डिजीटाइजेशन वर्क की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

दुग्ध संघों ने बढ़ाई है ढाई से छह रुपए प्रति लीटर राशि

इस अवसर पर बताया गया कि प्रदेश के दुग्ध संघों में न सिर्फ दुग्ध संग्रहण बढ़ रहा है, बल्कि किसानों और दुग्ध उत्पादकों का हित भी सुनिश्चित हो रहा है। दुग्ध संघों में दुग्ध मूल्यों में ढाई रुपए से लेकर छह रुपए तक प्रति लीटर वृद्धि का कार्य किया है। प्रदेश में दो दुग्ध संघों जबलपुर और ग्वालियर में दुग्ध संग्रहण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जबलपुर और ग्वालियर दुग्ध संघ को दुग्ध उत्पादकों के लंबित भुगतान के लिए दो-दो करोड़ रुपए की कार्यशील पूंजी भी उपलब्ध करवाई गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी और अधिक भव्य रूप में निकाली जाएगी

श्रावण महोत्सव में विभिन्न कलाकारों द्वारा दी जाएंगी आकर्षक प्रस्तुतियां

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुरूप इस बार भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी और अधिक भव्य रूप में निकाली जाएगी। आगामी श्रावण-भादो-मास में भगवान श्री महाकालेश्वर की निकलने वाली सवारियों की अलग-अलग थीम होगी और पहली सवारी वैदिक उद्घोष की थीम पर होगी। सावन माह में प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक संध्या भी आयोजित की जाएगी जिसमें प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियाँ भी होगी।

भगवान श्री महाकालेश्वर की प्रथम सवारी 14 जुलाई, द्वितीय सवारी 21 जुलाई, तृतीय सवारी 28 जुलाई, चतुर्थ सवारी 4 अगस्त, पंचम सवारी 11 अगस्त और राजसी सवारी 18 अगस्त को निकाली जाएगी। प्रथम सवारी में पालकी में श्री मनमहेश, द्वितीय सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर और हाथी पर श्री मनमहेश, तृतीय सवारी में पालकी में श्री चंद्रमौलेश्वर हाथी पर श्री मनमहेश और गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव, चतुर्थ सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर हाथी पर श्री मनमहेश, गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव और नंदी रथ पर श्री उमा महेश, पांचवी सवारी में पालकी में श्री चंद्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव नंदी रथ पर श्री उमा महेश और रथ पर श्री होलकर स्टेट और राजसी सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर ,हाथी पर श्री मन महेश, गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव नंदी रथ पर श्री उमा महेश, रथ पर श्री होलकर स्टेट और रथ पर श्री सप्तधान मुखारविंद के रूप में भगवान विराजित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश अनुसार इस बार सवारियों में विशेष आयोजन किए जाएंगे। प्रत्येक सवारी की थीम अलग-अलग होगी। प्रथम सवारी वैदिक उद्घोष थीम पर निकाली जाएगी। इस दौरान रामघाट और दत्त अखाड़ा पर बटुकों द्वारा भव्य वैदिक उद्घोष किया जाएगा और बटुकों द्वारा सवारी मार्ग में वैदिक उद्घोष किया जायेगा। इसी के साथ विभिन्न जनजातियों के समूहों द्वारा भगवान श्री महाकाल की सवारी में मनमोहक प्रस्तुती दी जायेगी। द्वितीय सवारी में लोक नृत्य की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसमें लोक नृत्य मटकी नृत्य मध्यप्रदेश, गणगौर नृत्य राजस्थान, बिहू नृत्य आसाम, भवाई नृत्य गुजरात, पुलियाट्म या टाइगर नृत्य कर्नाटक की प्रस्तुति रामघाट पर दी जाएगी। भगवान महाकालेश्वर की तीसरी सवारी में पुलिस बैंड, आर्मी बैंड, होमगार्ड बैंड और निजी बैंड के द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी जाएगी। भगवान महाकालेश्वर की चतुर्थ सवारी में पर्यटन की थीम पर मांडू के महल, सांची के स्तूप, खजुराहो के शिव मंदिर, देवी अहिल्या किला महेश्वर, भीमबेटका, ग्वालियर का किला, उदयगिरि की गुफाएं, विदिशा बाग की गुफाएं, धार की झांकियां निकाली जाएंगी। भगवान श्री महाकालेश्वर की पंचम सवारी में धार्मिक थीम रहेगी जिसमें श्री कृष्ण पाथेय और प्रदेश के धार्मिक पर्यटन स्थलों व मंदिरों की झांकी निकाली जाएंगी। साथ ही सवारियों में विभिन्न जिलों के पृथक-पृथक जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुति भी दी जाएगी। राजसी सवारी में 70 से अधिक भजन मंडलियों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। श्री महाकाल महालोक में सावन माह में प्रतिदिन शाम को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। श्रावण महोत्सव में इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त 13 जुलाई से लेकर 16 अगस्त तक 23 दिवसों में (श्रावण महोत्सव के दिन, सवारी के दिन, नाग पंचमी और 15 अगस्त को छोड़कर) श्री महाकालेश्वर सांस्कृतिक संध्या नाम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

बारिश के मौसम में आपके घरों में निकले सर्प तो इन्हें याद करें

- अनूपपुर जिला में स्वेच्छिक रुप में कार्य कर रहे सर्पमित्रों के नगर एवं मोबाइल नंबर

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। बरसात का समय आते ही अन्य स्थानों की तरह अनूपपुर जिले में भी विभिन्न प्रकार के सर्पो का निकलना बहुतायत मात्रा में प्रारम्भ हो गया है।इससे आए दिन विभिन्न प्रकार के सर्पो के आम जनो के घरो एवं घरो के आसपास आहार की तलाश में आ जाने की सूचनाएं मिलती है।अनूपपुर जिले भर में काफी सर्प प्रहरियों की जमात है।जिनके मोबाइल नंबर इस प्रकार हैं,जिससे संपर्क कर समस्या का समाधान पा सकते हैं।बस आवश्यकता है आप अपने आसपास के सर्प प्रहरी को उनके नंबर पर कॉल जरूर करें।

अनूपपुर जिला मुख्यालय में शशिधर अग्रवाल, निवासी वार्ड नंबर 11, अनूपपुर मोबाइल नंबर-94258 89873, छोटेलाल यादव निवासी वार्ड नंबर 11, अनूपपुर मोबा. 9009142848, मनोज यादव निवासी ग्राम मेडियारास मोबा. 7804893036, धर्मेन्द्र यादव निवासी ग्राम मेडियारास मोबा. 7440923525, नवीन

महादिक निवासी ग्राम चचाई मोबा. 7000437824, सोनू प्रजापति निवासी रेस्क्यू कॉलोनी, अमलाई मोबा. 8251898686, दुर्गेश महरा निवासी ग्राम पयारी नम्बर 01, फुनगा मोबा. 9302508603, आकाश यादव निवासी देवरी, अमलई मोबा. 8251086165, भोला प्रसाद मिंज निवासी जमुनाकालरी मोबा. 9993915198, द्वारिका प्रसाद सेन निवासी जैतहरी मोबा. 8871175286 देवराज कोल निवासी ठेंगरहा, गोबरी/जैतहरी मोबा. 8817821467, रितुराज सिंह निवासी वेंकटनगर मोबा. 7566992062, हरिवंश प्रसाद पटेल निवासी कोतमा मोबा. 8305468650, मनोज यादव निवासी राजनगर मोबा. 7470951593, भास्कर कुमार वर्मे निवासी ईगाविवि पोडकी, अमरकंटक मोबा. 8349193296 विकाश चन्देल निवासी पोडकी, अमरकंटक मोबा. 9179644263, वरूण उपाध्याय निवासी अमरकंटक मोबा. 7999573600, अतुल तिवारी निवासी अमरकंटक मोबा.8817229367 प्रमुख है।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का सफल आयोजन

इस्कॉन केंद्र प्रमुख एवं प्रभारी ने किया सभी का आभार ज्ञापित

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। नगर की धरती पर पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा नगर एवं ग्रामीणों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस्कॉन केंद्र के प्रमुख एवं प्रभारी चैतन्य मनोहर दास एवं प्रशांत पांडे ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा माता की असीम कृपा से सफलता पूर्वक रथ यात्रा महोत्सव 2025 का आयोजन संपन्न हो सका।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन आप सभी भक्तों, सेवकों, प्रशासन, पुलिस, नगरवासी और समर्पित सहयोगियों के प्रेम,परिश्रम और आस्था से संभव हो पाया।आपका समय,सेवा,सहयोग और निष्ठा भगवान जगन्नाथ की सेवा में अद्वितीय रहा।

आपका एक-एक योगदान हमें इस महोत्सव को दिव्य स्वरूप देने में सहायक रहा।आप सभी का हृदय से धन्यवाद एवं आभार ,जय जगन्नाथ।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत खेत तालाब निर्माण श्रेणी में अनूपपुर जिला और पुष्पराजगढ़ जनपद को प्रदेश स्तर पर मिलेगा प्रथम पुरस्कार

अनूपपुर। राज्य शासन द्वारा संचालित किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों, जनपदों तथा व्यक्तिगत श्रेणी की रैंकिंग के निर्धारित मापदंड अनुसार मध्य प्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत तालाब निर्माण में अनूपपुर जिले को प्रदेश में श्रेष्ठ कार्य के लिए प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है। इसी तरह से जल गंगा अभियान में खेत तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने पर अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ जनपद को प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है।

कलेक्टर हर्षल पंचोली के कुशल मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा के नेतृत्व में जिले के ग्रामीण अंचल में किए गए कार्यों के लिए

जिला श्रेणी में अनूपपुर जिला तथा जनपद श्रेणी में पुष्पराजगढ़ को प्रदेश स्तर पर प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है इस चयन से प्रदेश में जिले का नाम रोशन हुआ है।

बीते 24 घंटे में जिले में 39.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 39.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 52.4, कोतमा में 52, बिजुरी में 30.8, जैतहरी में 29.2, वेंकटनगर में 78.4 , पुष्पराजगढ़ में 21.6, अमरकंटक में 28.8 तथा बेनीबारी में 24.8 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई ।

थाना-भालूमाड़ा पुलिस ने अभ्यासरत पेशेवर आरोपी जेगुआर उर्फ प्रियांसू सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा पुलिस द्वारा थाना प्रभारी निरी. संजय खलको के नेतृत्व में अभ्यासरत पेशेवर आरोपी जेगुआर उर्फ प्रियासु सिंह पिता मनोज सिंह उम्र 25 साल निवासी हालो ब्लाक वार्ड नं0 17 भालूमाडा जिसके खिलाफ थाना भालूमाडा में कई अपराध पंजीबद्ध है थाना भालूमाडा के अप.क्र. 121/25 धारा 126(2), 119(1), 296, 115(2), 351(3) बी0एन0एस0 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(वी)(ए) एस0सी0/एस0टी0 एक्ट में फरार था जो आज दिनांक 06/07/2025 को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया जहाँ से आरोपी को जेल भेजा गया है।

अहम भूमिका - थाना प्रभारी भालूमाडा निरीक्षक की सहित अन्य पुलिस कर्मियों उल्लेखनीय भूमिका रही है।

मातमी धुनों के बीच मोहर्रम के ताजिए करबला में हुए सुपुर्द-ए-खाक

जौरा, अम्बाह,पोरसा में भी मोहर्रम पर निकला जुलूस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। इस्लाम धर्म के आखिरी पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे तथा हजरत अली के पुत्र इमाम हुसैन की याद में मनाया जाने वाले मोहर्रम के अवसर पर रविवार को मातमी धुनों के साथ ताजियों का जुलूस निकाला गया। जुलूस में मुस्लिम समुदाय सहित अन्य समाज के लोगों ने भी भाग लिया। ताजियों को देखने के लिए शहर के अलग-अलग हिस्सों से लोग पहुंचे थे। बाजार में दोपहर से लेकर देर शाम तक मातमी धुनों की आवाज गूंजती रहीं।

इमाम हुसैन व उनके 72 परिजनों व साथियों की शहादत की याद दिलाने वाला मोहर्रम प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मुस्लिम समुदाय द्वारा मनाया गया। रविवार को डॉ. उवेश वाली गली से ताजियों का जुलूस मातमी धुनों के साथ शुरू हुआ। जो शहर के बिहारी जी मंदिर, झण्डा चौक, हनुमान चौराहा, स्टेशन रोड, मालगोदाम रोड से होते हुए गणेशपुरा में पहुंचे। जहां करबला में ताजियों को दफनाया गया। ताजियों के जुलूस के दौरान पुलिस कप्तान द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

जौरा में मातमी धुनों के मध्य हुआ ताजियों का विसर्जन

मुरैना/जौरा। 06 जुलाई को नगर में मोहर्रम को देखते हुए प्रातः से ही मुस्लिम युवक नौजवानों में खासा उत्साह था। दोपहर में जब ताजिए भ्रमण के लिए निकल गए तो नौजवान उत्साह के साथ करतब दिखाते हुए चल रहे थे। दोपहर में ताजियों का भ्रमण प्रारंभ हुआ, जिसमें कोलीपाड़ा, सब्जी मंडी, डाकखाना, इस्लामपुर, पुराना जौरा, पुराना थाना सहित अन्य ताजिए भी शामिल रहे। भ्रमण चंद्रशेखर आजाद रोड, तहसील चौराहा, इस्लामपुर रोड, सदर बाजार, डाकखाना रोड, पुराना जौरा घूमते हुए सभी ताजिए शाम को डॉ. रामनारायण शर्मा वाले चौराहे पर एकत्रित हुए। यहां पर विश्राम के बाद 7:30 बजे के लगभग ताजियों का क्रमबद्ध तरीके से कर्बला ले गए। कर्बला पहुंचकर सभी ताजियों को मातमी धुन के साथ दफनाया गया।

अम्बाह में मुहर्रम पर निकला ताजियों का जुलूस

मुरैना/अम्बाह। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अम्बाह नगर में मुहर्रम के अवसर पर रविवार को ताजिया जुलूस भव्यता और श्रद्धा के साथ निकाला गया। नगर के विभिन्न मोहल्लों से ताजिए दोपहर 2 बजे किला परिसर में एकत्र हुए और वहां से एक विशाल जुलूस के रूप में पूर्व निर्धारित मार्गों से होते हुए तालाब किनारे स्थित कर्बला मैदान पहुंचे, जहां उन्हें परंपरागत रूप से 'दफ़न' किया गया।

जुलूस में भाग लेने वाले श्रद्धालु 'या हुसैन' के नारों के साथ कर्बला की शहादत को याद करते हुए आगे बढ़े। मुख्य आकर्षण बड़ा सफेद ताजिया रहा, जिसकी छतरी पर तिरंगे की प्रतीक पट्टी देशभक्ति और बलिदान का संगम दर्शा रही थी। अंबाह के प्रसिद्ध रट्टी बैंड और सलीम बैंड ने इमाम हुसैन की शान में कव्वालियाँ प्रस्तुत कर माहौल को भावुक और श्रद्धामय बना दिया।

पोरसा में निकले ताजिये, सैकड़ों लोग शामिल हुए

मुरैना/पोरसा। अशदुल्ला अखाड़ा एवं इस्लामिया अखाड़ा आज शहर पोरसा में बने सभी ताजियों को जामा मस्जिद पर एकत्रित कराकर शहर में निकले। पुराना थाना पर दोनों अखाड़े के लोगों ने अपना करतब दिखाया। उसके बाद ताजिया जामा मस्जिद से शुरू होकर बायपास रोड, टंकी मोहल्ला, पुराना थाना होते हुए सदर बाजार, अम्बाह रोड, जोटई रोड पर पहुंचे, जहां कर्बला में सुपुर्दे खाक किए गए। शहर पोरसा में मोहर्रम के ताजियों के जुलूस में मुस्लिम समाज के महिला-पुरुष व बच्चे तथा ग्रामीण क्षेत्र से आए मुस्लिम समाज बंधु भी साथ में चल रहे थे। पुराने थाने पर अखाड़े में करतब दिखाए। पुलिस फोर्स सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ताजियों के साथ चल रहा था। शनिवार की रात को 10 बजे ताजिये गश्त पर निकले, जो टंकी मोहल्ला होते हुए सुबह 6:00 बजे जमा मस्जिद पर आए। आज जामा मस्जिद से ताजिया शहर भ्रमण करते हुए कर्बला तक पहुंचे, जहां सुपुर्द-ए-खाक किए गए।

अम्बाह पुलिस की बड़ी कार्यवाही: 9 मिमी के 860 राउंड सहित आरोपी गिरफ्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। पुलिस थाना अम्बाह ने आज करोली माता रोड, बिजली घर के पास मुखबिर की सूचना पर एक बड़ी सफलता दर्ज की है। आरोपी मानसिंह उर्फ़ मोनू (31 वर्ष) पुत्र वीरेन्द्र सिंह तोमर, निवासी गुलाबपुराङ्कजय अम्बे कॉलोनी, अम्बाह को 9 मिमी के कुल 860 राउंड अवैध गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। इन राउंड्स की अनुमानित कीमत लगभग 2,15,000 बताई जा रही है।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में उप निरीक्षक प्रज्ञाशील, सहायक पुलिस नायब उपनिरीक्षक किशन सिंह, जवान जोगेन्द्र, दिनेश, लखन म, जितेन्द्र एवं धर्मेन्द्र परमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस सफल अभियान की पृष्ठभूमि में पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ द्वारा अवैध शराब और हथियारों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डाबर ने दिशा-निर्देश जारी किए एवं एसडीओपी रवि भदौरिया ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

कानूनी कार्रवाई और आगे की कार्यवाही

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत अप.क्र. 315/25 दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की है। गिरफ्तार आरोपी से हथियार परिवहन, खरीद-बिक्री और गोला-बारूद लाने-ले जाने के संबंध में पूछताछ जारी है।

अम्बाह नगर निरीक्षक सतेंद्र कुशवाह ने कहा कि हम अवैध हथियार और शराब जैसी खतरनाक गतिविधियों पर सख्त नज़र रखे हुए हैं। यह केवल एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा का संदेश है।

दुग्ध वाहनों की चेकिंग कर मिश्रित दूध के लिए नमूने

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। कलेक्टर अंकित अस्थान के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मेश उपाध्याय के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा मिलावटी खाद्य वस्तुओं के नमूने लेकर सैंपलिंग का कार्य लगातार जारी है। 06 जुलाई को खाद्य सुरक्षा अधिकारी अवनीश गुप्ता, अनिल प्रताप सिंह परिहार, महेंद्र सिरोहिया की टीम ने बंसी पुलिस चौकी पर आकस्मिक रूप से चेकिंग अभियान चलाते हुए वाहन क्रमांक एमपी 06 0212 से सपरेटा दूध का नमूना लेकर सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। मौके पर वाहन चालक सुभाष सिकरवार था। इसी प्रकार वाहन क्र. एमपी 07 एल 4861 सोनू यादव से मिश्रित दूध का नमूना लेकर सैंपलिंग की गई। तीसरी कार्यवाही एमपी 06 3620 के चालक मंजेश त्यागी से सपरेटा दूध का नमूना लिया गया। इसी प्रकार जेल रोड नहर के पास स्थित संजय गुर्जर की माँ शीतला डेयरी पर पनीर एवं सपरेटा दूध के नमूने जांच हेतु लिए गए। मौके पर डेयरी में रिफाइंड ऑयल के खाली तीन संग्रहित मिले। इसके विषय में डेयरी संचालक द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। डेयरी संचालक को धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया है। गौरतलब है कि मिलावटखोरों के विरुद्ध कार्रवाई करने संदेही मिलावटी खाद्य वस्तुओं के सैंपल भरने के कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में पिछले 20 दिनों से मुरैना, जौरा, कैलारस, सबलगढ़ में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों टीम ताबड़तोड़ कार्यवाही कर रही है।

बरसात के मौसम में बिजली, वज्रपात से करें बचाव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। बरसात के मौसम में बाहरी गतिविधियां, खेतों औद्योगिक स्थान, लोडिंग और अनलोडिंग जैसे निर्माण सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते है। जिन्हें बचाव संबधी जानकारी अवश्य होनी चाहिए। विशेष रूप से ऊंचें नुकीले संरचनाओं पेड़ों पर वज्रपात की अधिक संभावना होती है एवं एक ही स्थल पर कई बार वज्रपात हो सकता है। आकाशीय बिजली प्रभावित होने पर ऐसी संरचनाओं से दूर रहना चाहिए, क्यांकि आकाशीय बिजली वज्रपात वर्षा में किसी भी समय गिर सकती है। पूर्व जून-जुलाई में ऐसी घटना अधिक होती है। दोपहर और सायः काल के मध्य बिजली व वज्रपात की घटना हो सकती हैं। रबर सोल के जूते अथवा टायर से बचाव नहीं हो सकता। यह आवश्यक नहीं है कि बारिश के दौरान वज्रपात हो सकता हैं। ऐसी घटना वर्षा ऋतु में 10 मील के दायरे तक संभावित हो सकती है। आकाशीय बिजली वज्रपात की घटना तूफान आने के पहले भी घटित हो सकती हैं।

घर/कार्यस्थल के भीतर सुरक्षात्मक उपाय

बिजली एवं इलेक्ट्रोनिक के समस्त उपकरणों के संपर्क दूरी बनाए एवं इन्हें पावर प्लग से पृथक करें, ताकि मुख्य सप्लाई से बिजली का प्रभाव नहीं हो पाए। घरेलू अथवा कार्यालयीन समस्त विद्युत उपकरणों अथवा आउटलेट से जुड़ी किसी भी चीज का उपयोग न करें। बिजली का प्रभाव किसी भी इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियों और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम और कंक्रीट की दीवारों फर्श में धातू के तारों के माध्यम से हो सकती है। खुले हुए खिड़की, दरवाजे अथवा धातु के पाईप आदि के पास खड़े न रहे।

पारिवारिक न्यायालय धौलपुर
हेतुक दर्शित करने के लिये सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

पूजा पत्नी रोहित पुत्री श्री जगदीश चन्देल उम्र करीब 28 वर्ष जाति ठाकुर निवासी संजय कॉलोनी पीपरीपुरा तहसील व जिला मुरैना (म.प्र.) हाल निवासी साईधाम कॉलोनी साईबाबा मन्दिर के पास सवितापुरा रोड मुरैना (म.प्र.) हाल निवासी चर्च के पास भामतीपुरा धौलपुर थाना कोतवाली धौलपुर तहसील व जिला धौलपुर (राज.)

....**प्रार्थी**

बनाम

रोहित पुत्र स्व. श्री मिट्ठन सिंह जाति ठाकुर निवासी संजय कॉलोनी पीपरीपुरा तहसील व जिला मुरैना म.प्र. हाल निवासी साईधाम कॉलोनी साईबाबा मन्दिर के पास सवितापुरा रोड मुरैना (म. प्र.)

.........**अप्रार्थिया**

--

प्रार्थना पत्र धारा 13 हिन्दू विवाह अधिनिमय, 1955 के अधीन ।

हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि पूजा पत्नी रोहित पुत्री श्री जगदीश चन्देल उम्र करीब 28 वर्ष जाति ठाकुर निवासी संजय कॉलोनी पीपरीपुरा तहसील व जिला मुरैना म.प्र. हाल निवासी साईधाम कॉलोनी साईबाबा मन्दिर के पास सवितापुरा रोड मुरैना म.प्र. हाल निवासी चर्च के पास भामतीपुरा धौलपुर थाना कोतवाली धौलपुर तहसील व जिला धौलपुर राज. ने धारा 13 हिन्दू विवाह अधिनिमय, 1955 बाबत प्रस्तुत किया है।

अतः आपको सूचित किया जाता है कि आवेदन के विरूद्ध हेतुक दर्षित करने के लिए दिनांक 30.07.2025 को पूर्वाह्न में स्वंय या अपने प्लीडर द्वारा उपसंजात हो। यदि ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई एकपक्षीय रूप से की जायेगी।

आज दिनांक 02.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।

आज्ञा से
वरिष्ठ मुंसरिम
पारिवारिक न्यायालय,
धौलपुर (राज.)

परमात्म तत्व की प्राप्ति का मार्ग है यह शरीरः ब्रह्मदत्त महाराज

- डॉ. ए.डी. शर्मा ने दी चित्रकूट में सेवा 1100 रुपए का दिया दान, -12 जुलाई को होगा सम्मान समारोह, -बड़ी संख्या में वितरित हुए वस्त्र, साड़ी सूट एवं चश्मे, - परमार्थ शिविर में 258 मरीज और 35 सेवक हुए उपस्थित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, एवं विनय पत्रिका एवं भक्तमाल की कथा हुई। इसके साथ ही 258 मरीजों ने अपना परीक्षण करा के उपचार कराया। विषय बार मरीजों की संख्या इस प्रकार रही- दन्त रोग 85 स्व. जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 73, नाक, कान, गला 44, सर्जरी 43, अस्थि रोग 45, नैत्र रोग 22, अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए- दांतों के सेट 0, ब्लड प्रेसर की जाँच 44, ई.सी.जी 01, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 31, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 18, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 34, एम्स में पंजीयन 0 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष में- दांत शल्य क्रिया 54, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायिरिया का इलाज 24, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष मे प्रारंभ हुई, जिसमें आँखों की जाँच 16 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये। निष्काम भाव से सेवकों ने सेवा की। डॉ. एस.के.शर्मा, डॉ. बी.एल.राजपूत, डॉ. दीपक बंसल, प्रदीप शर्मा, सुषमा शर्मा, कस्तूरी, सरिता, ओमवती, आस्था, लक्ष्मी, गुड्डी, बबीता, राजश्री, शीतल, सलोनी, प्रेमवती, गुड्डी, आशा, गोपिक, मीरा, मनीराम, श्याम, हाकिम, रमेश बाउजी, श्रीनिवास, सुरेश महेश्वरी, दीपू तोमर, मयूर अग्रवाल, भगवान शर्मा, रामवीर, रामसिंह, घीर सिंह, महावीर, पुरुषोत्तम, रामचरण, मोहर, अभिषेक, गौरव, अंश आदि ने निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं।

प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियों ने अपनी सेवायें परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान की। भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना ईलाज कराया। परमार्थ न्यास में प्रत्येक रविवार की तरह सभी सेवकों ने उपस्थित होकर पूजा पाठ रामचरितमानस पाठ भकात्मल कथा विनय के पद रामरक्षा स्त्रोत का पाठ आरती एवं संकीर्तन किया एवं श्रवण लाभ लिया। परमार्थ में ब्रह्मदत्त महाराज पधारे आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर हृदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि एक परमात्मतत्त्व ही ऐसा है, जिसको जो चाहे, उसको वह मिल जाय। धन, सम्पत्ति, वैभव, मान, आदर, निरोगिता आदिको जो चाहे, उसको ये मिल जायँ - यह नियम नहीं है। ये धन, सम्पत्ति आदि सबको नहीं मिल सकते, मिलेंगे तो थोड़े-बहुत मिलेंगे, एक समान नहीं मिलेंगे। परन्तु परमात्मतत्त्व सबको मिलेगा, एक समान मिलेगा और जो चाहे, उसको मिलेगा; क्योंकि उसका सबके साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है। जीव परमात्माका साक्षात् अंश है- ''ममैवांशो जीवलोके'' इसलिये उसका परमात्मापर पूरा हक लगता है। जैसे, मा पर सब बालकों का हक लगता है, सब बालक अपनी माँ की गोदीमें जा सकते हैं। ऐसे ही परमात्मा सबके माता-पिता हैं- ''त्वमेव माता च पिता त्वमेव।'' वे सदा से ही सबके माता-पिता हैं और सदा ही रहेंगे, इसलिये उनकी प्राप्तिमें कोई भी मनुष्य अयोग्य नहीं है, अनधिकारी नहीं है, निर्बल नहीं है। अतः किसीको भी परमात्मतत्त्वसे हताश होने की किंचिन्मात्र भी गुंजइश नहीं हैं। हमारे भीतर यह बात दृढ़ता से बैठी हुई है कि किसी वस्तु, अवस्था, परिस्थिति, घटना, क्रिया आदि की महिमा नहीं है, प्रत्युत उनके सदुपयोग की महिमा है। हमारी कैसी ही बुद्धि हो, कैसी ही परिस्थिति हो, कैसी ही
अवस्था हो, कैसा ही संयोग हो,
उसीका ठीक तरह से सदुपयोग
किया जाय तो परमात्मतत्त्व की
प्राप्ति हो जाय। कारण कि मनुष्यजन्म मिला ही इसके लिये है।

कबहुँक करि करुना नर देही। देत ईस बिनु हेतु सनेही ।। बिना हेतु कृपा करने वाले प्रभु ने कृपा करके मनुष्य-शरीर दिया है; तो क्या भगवान् की कृपा निष्फल होगी ? भगवान् की कृपा कभी निष्फल नहीं होती। हाँ, इतनी बात है कि भगवान् ने स्वतन्त्रता का वह चाहे जो उपयोग कर सकता है, चाहे इसका सदुपयोग करके परमात्मतत्त्व की प्राप्ति कर ले, अपना कल्याण कर ले और चाहे इसका दुरुपयोग करके चौरासी लाख योनियों में अथवा नरकों में चला जाय। वास्तव में यह स्वतन्त्रता भगवान् ने मनुष्य को अपना कल्याण करने के लिये दी है

आज मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में मैंने देखा कि समस्त सेवक जिस उदार भाव व वाणी से सेवा करते हैं उसे देखकर मैं हृदय से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ एवं जन मानस से आग्रह करता हूँ कि यहाँ प्रभु के दीन स्वरूप की सच्ची सेवा का लाभ लें। मैं सभी को आशीष, शुभकामनाएं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि परमार्थ न्यास के सभी सेवकों में जन मानस की सेवा सत्कर्म का भाव सदैव इसी प्रकार बना रहे। और यह सेवा सत्कर्म निरंतर चलता रहे।

घायल वृद्ध व युवक की दौराने उपचार मौत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। देवगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत विगत 9 जून को बराहना नहर की पुलिया के पास हुए एक्सीडेंट में मोहन सिंह सिकरवार 75 पुत्र भोगीराम सिकरवार नि. बराहना बुरी तरह जख्मी हो गए थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उधर पहाड़गढ़ थाना क्षेत्र में 13 जून को रोड एक्सीडेंट में जख्मी हुए सुमित सिंह धाकड़ 18 पुत्र बनवारी धाकड़ नि. गंगापुरा की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। दोनों हादसों को लेकर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिए है।

युवक फांसी पर झूला, मर्ग कायम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। जौरा थाना अंतर्गत बिलगांव में एक नवयुवक ने फांसी के फंदे पर झूल कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिलगांव निवासी लोकेंद्र पुत्र महेश जाटव 23 वर्ष ने बीती रात अपने कमरे में चादर का फंदा बनाकर पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। मृतक अविवाहित था। इसके माता-पिता एवं अन्य पूरा परिवार सूरत में रहता है। मृतक गांव में अपने ताऊ के यही रहता था तथा मेहनत, मजदूरी कर अपना पेट भरता था। शनिवार की रात को मृतक अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह जब उसके चचेरे भाई ने बाहर से उसे चाय के लिए आवाज दी तो किवाड़ नहीं खुलने से चचेरे भाई ने छत पर चढ़कर कमरे में देखा तो लोकेंद्र पंखे से लटका हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया तथा मृतक के सब का पोस्टमार्टम कराकर मर्ग कायम किया है।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुरारीलाल पुत्र श्री बद्रीप्रसाद गर्ग जन्म दिनांक- 01.01.1943 निवासी- वार्ड नं.08 पुरानी जीन गली नं.1 तहसील व जिला मुरैना म.प्र. शपथपूर्वक घोषणा करता हूँ कि मेरा आईडीबीआई बैंक लि. ग्वालियर में डीमेट खाता संचालित है जिसका नं. 1302860000072207 है। उक्त खाते में मेरा नाम मुरारीलाल गर्ग (MURARILAL GARG) अंकित है। मेरे आधार कार्ड क्र. 8284 7316 0186 व पेनकार्ड नं. AGWPG3581C में मेरा नाम मुरारीलाल (MURARI-LAL) अंकित है। मुरारीलाल गर्ग व मुरारीलाल दोनों मेरे ही नाम हैं तथा मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

सूचनाकर्ता
मुरारीलाल पुत्र श्री बद्रीप्रसाद गर्ग
निवासी- वार्ड नं. 08 पुरानी जीन गली नं.1 तहसील व जिला मुरैना म.प्र.

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

क्रमांक/क्यू/3/मा.रा./खनिज/2025-26/901 मुरैना,दिनांक- 01/07/2025

सूचना-पत्र

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क)

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक-श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री अतर सिंह पता-P/A-ग्राम पुर पढावली तहसील व जिला मुरैना T/A-आडतिया वाली गली गनेशपुरा, मुरैना तहसील व जिला मुरैना (म0प्र0) द्वारा म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क के तहत् उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन नवीनीकरण आवेदन पत्र दिनांक- 27.06.2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	मुरैना वर्तमान तह0 बामौर	पढावली	881/7 881/13	1.254 हे0	निजी भूमि	फर्शीपत्थर उत्खनिपट्टा नवीनीकरण	

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्रों में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से "30 दिवस" के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला मुरैना में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें।

नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

G15225/25

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

केंद्रीय मंत्री सिंधिया भिण्ड पहुंचे, लोकतंत्र सेनानी समाधिया के निवास पर पहुंचकर शोक जताया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भारत सरकार में केंद्रीय संचार मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत भिण्ड पहुंचे। श्रीमंत सिंधिया ग्वालियर बाय रोड होते हुए अटेर रोड डाक बंगला स्थित रात कर जहां पूर्व विधायक पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री समाधिया के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिवारजनों को ढांढस बंधाया। श्रीमंत सिंधिया के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि साथ थे। केंद्रीय मंत्री श्रीमंत महाराज सिंधिया ने स्व. पूर्व विधायक समाधिया के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके पुत्र व परिवारजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने स्व. समाधिया के सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए उनके परिवारजनों को सांत्वना दी। पार्टी के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश सरकार में रहे पूर्व मंत्री ध्यानेंद्र सिंह आज स्व. श्री शिवशंकर समाधिया जी के निवास 1 डाक बंगला, अटेर रोड पहुँचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके पुत्र व परिवारजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने स्व. समाधिया के सामाजिक योगदान

को स्मरण करते हुए उनके परिवारजनों को सांत्वना दी। पूर्व विधायक स्व. समाधिया के निवास पर केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया स्व. समाधिया के व्यक्तित्व पर कहा कि उनका सिंधिया परिवार से पारिवारिक संबंध रहा है, जिन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। उनके परिवार जनों का साथ हमेशा सिंधिया परिवार के साथ बना रहेगा। मैं उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पूर्व विधायक स्व. समाधिया के निवास पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भिण्ड-दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय, भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, प्रदेश सरकार में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह, मध्य प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री ओपीएस भदौरिया, पूर्व विधायक मुन्ना सिंह भदौरिया, पूर्व विधायक मथुराप्रसाद, महंत पूर्व विधायक रणवीर जाटव, पूर्व सांसद अशोक अर्गल, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. रमेश दुबे, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य पूर्व जिला अध्यक्ष संजीव काकर, पूर्व जिला अध्यक्ष रविसेन जैन, जिला उपाध्यक्ष अनिल कटारे, जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव, जिला मंत्री शिवप्रताप सिंह राजावत, धर्मेंद्र तिवारी, सिद्धार्थ जैन, प्रिंस दुबे, सुनील दुबे पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया का भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया एवं क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने दवोहा मोड़ पर अगवानी की।केंद्रीय मंत्री भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के भिंड आगमन के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा दवोहा मोड पर,अगवानी करते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

समाधिया कालोनी में सड़कों पर भरा पानी

ग्वालियर। रविवार शाम को थोड़ी सी बारिश में ही समाधिया कालोनी सी ब्लाक में सड़कों पर पानी भर गया। इससे लोगों को अपने घरों में कैद रहने को मजबूर होना पड़ा। इससे पहले भी बारिश में इन सड़कों पर पानी का निकास ना होने की वजह से पानी भरता रहता है। यहां के निवासी मनोज शर्मा का कहना है कि यह क्षेत्र वार्ड 49 में आता है। अनेक बार निगम अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराया गया है। लेकिन अभी तक समस्या का समुचित समाधान नहीं हो सका है।

भगवान श्री जगन्नाथ यात्रा महोत्सव को सफल बनाने के लिये रामू भैया ने सभी का आभार व्यक्त किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ के तत्वाधान में ग्वालियर महानगर में भगवान महाप्रभु श्री जगन्नाथ की महायात्रा का भक्तिमय दृश्य नगरवासियों को श्रद्धा, भक्ति एवं संस्कार के रंगों से भिगो गया. इस वर्ष हम सबको मंगल आशीर्वाद प्रदान करने भगवान श्री जगन्नाथ ग्वालियर नगर की पावन धरा पर जब नगर भ्रमण पर निकले तो हम सबको भक्ति की राह दिखाने वाली राष्ट्रसंत परमपूज्य माँ कनकेश्वरी देवी जी ने महाप्रभु जगन्नाथ जी की आरती कर यात्रा का शुभारंभ किया। प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं प्रदेश कैबिनेट के मंत्री तुलसी सिलावट, प्रद्युम्न सिंह तोमर व ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह के साथ ग्वालियर चंबल अंचल के जनप्रतिनिधि हजारों जगन्नाथ भक्तों के साथ इस यात्रा में आनंद एवं उत्सवमय होकर शामिल हुए, इस्कॉन के हमारे संतों ने जब हरे रामा हरे कृष्णा, जय जय जगन्नाथ की धुन का गुंजन किया तो सबका रोम रोम पुलकित हो उठा, ग्वालियर नगर में भगवान जगन्नाथ की पावन यात्रा का यह पांचवा पुष्प था, इस भक्ति यज्ञ को सफल बनाने में जगन्नाथ भक्तों ने नगर के स्थान-स्थान पर जो पुष्पवर्षा और संगीतमय स्वागत किया, वह अविस्मरणीय अनुभव है।

आयोजन समिति के सयोंजक देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर (रामू) ने रथयात्रा को सफल बनाने में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक बंधु, जिला प्रशासन, नगर निगम, हमारे सभी जगन्नाथ भक्तों सहित स्वयंसेवकों की टीम का बारंबार आभार अभिनंदन, मेरी प्रभु जगन्नाथ जी से कामना है कि समस्त ग्वालियर चंबल के निवासियों एवं जगन्नाथ जी के भक्तों पर उनकी पुण्य कृपा एवं आशीर्वाद सदैव बना रहे एवं हम सबके जीवन में इस भक्ति रस एवं आनंद की सलिल धारा निरंतर प्रवाहित होती रहे।

गुरू कृपा बिना जीवन का कल्याण नहीं हो सकता: मंत्री प्रद्युम्न सिंह

- श्री हंस विभु आश्रम में गुरुपूजा महोत्सव आयोजित

ग्वालियर। जीवन में माता-पिता के बाद गुरूजी का ही महत्वपूर्ण स्थान है।बिना गुरु कृपा के जीवन का कल्याण नहीं हो सकता। परमात्मा भी जब पृथ्वी पर अवतार लेते हैं तो वे भी गुरु धारण करके ही पृथ्वी का उद्धार करते हैं। यह बात प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित श्री गुरु पूजा महोत्सव के अवसर पर कहीं।

श्री हंस विभू आश्रम तानसेन रोड पर रविवार को सदगुरुदेव सतपाल महाराज के अनुयायियों द्वारा गुरु पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया।

सुबह से ही श्रद्धालुओं ने आश्रम में पूजा अर्चना प्रारम्भ की। दोपहर में रेलवे सामुदायिक भवन में भव्य सत्संग का आयोजन किया गया जिसमें साध्वी हरीशा बाई, साध्वी सोमाक्षी बाई ने गुरु महिमा का वर्णन किया। कार्यक्रम में बार्ड 31 की पार्षद श्रीमती अंजना हरीबाबू शिवहरे का उनके द्वारा किए जा रहे लोकोपकारी कार्यों के लिए सम्मान किया गया। अतिथियों का स्वागत रामबाबू कटारे, राजेश बंसल, रमेश सेठ, दयाल जोशी, गौरव गुप्ता, दिनेश कुशवाह, घनश्याम गुप्ता, कैलाश जोशी, संदीप शर्मा, प्रकाश पटवा, एसएस भदौरिया, गजेन्द्र यादव, ओमप्रकाश राय, श्रीमती प्रभा नेलवाल, रीता गुप्ता, मंजू जोशी, प्रेमलता जोशी, गुन्जन गुप्ता आदि ने किया। महाआरती के बाद विशाल भंडारे के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मानव उत्थान सेवा समिति का राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख गुरुपूजा महोत्सव आगामी 9 एवं 10 जुलाई को सतलोक आश्रम मुरादनगर पर होगा।

भोपाल से आये अधिकारियों ने किया खराब सड़कों का निरीक्षण

ग्वालियर। शहर में बारिश में सड़कों की खराब हालत का जायजा लेने भोपाल से अधिकारियों का दल आया हुआ है। रविवार सुबह प्रमुख अभियंता प्रदीप एस मिश्रा एवं राष्ट्रीय राजमार्ग अथॉरिटी के सेवानिवृत अधिकारी आईके पांडे द्वारा चेतकपुरी सहित अन्य सड़कों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों का निरीक्षण एक औपचारिकता से अधिक कुछ नहीं रहा। बातचीत में उन्होंने इतना जरूर कहा कि इतनी जल्दी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता। सड़कों का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। आधा अधूरा काम था जो बारिश के कारण लोगों की परेशानी का कारण बना। शासन के निर्देश पर आज निरीक्षण किया है। सोमवार को टेंडर व अन्य कागजों की जांच की जायेगी। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिये शासन

को भी लिखा जायेगा। अधिकारियों के साथ निरीक्षण में निगम के वह ही अधिकारी शामिल थे जिन पर सड़क निर्माण में लापरवाही आरोप लगे हुये हैं।

दल द्वारा फूलबाग चौपाटी के पास से स्ट्राम वॉटर ड्रेनेज हेतु डाले गए पाइप एवं रोड निर्माण का अवलोकन किया गया। उन्होंने स्ट्राम वाटर पाइप के मटेरियल, डेफ्ट, डाया आदि से संबंधित जानकारियां अधिकारियों से प्राप्त की। इसके पश्चात चेतकपुरी, माधव नगर गेट सहित अन्य स्थानों पर सड़क का निरीक्षण किया तथा किए गए पैचवर्क को भी देखा। निरीक्षण के दौरान चेतकपुरी के पास वाले नाले का भी अवलोकन किया तथा उसके ड्रेनेज सिस्टम की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जल भराव की स्थिति को भी देखा। निरीक्षण उपरांत प्रमुख अभियंता मिश्रा ने बताया कि सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच कर निर्णय पर पहुंचा जा सकेगा आज प्रारंभिक जांच की गई है। साथ ही हनुमान बांध के पास से बना रहे एलिवेटेड रोड एवं स्वर्ण रेखा के ड्रेनेज सिस्टम का भी अवलोकन किया तथा एलिवेटेड रोड के और पॉइंट जलालपुर पर भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यपालन यंत्री जिवेन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री सुरेश अहिरवार, सहायक यंत्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, राजू गोयल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल से आये अधिकारियों ने कलेक्टर व निगमायुक्त के साथ शहर विकास पर चर्चा की

ग्वालियर। नगरीय क्षेत्र में विकास कार्यों के क्रियान्वयन के लिये नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा प्रत्येक नगर निगम का समन्वित विकास प्लान तैयार किया जा रहा है। इस प्लान में सड़क निर्माण, पेयजल वितरण व्यवस्था, उद्यानों का विकास के साथ-साथ अन्य विकास कार्यों को भी शामिल किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की उपस्थिति में नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख अभियंता प्रदीप एस मिश्रा एवं राष्ट्रीय राजमार्ग अथॉरिटी के सेवानिवृत अधिकारी आई के पांडे ने रविवार को बाल भवन के सभागार में नगरीय प्रशासन विभाग की एक दिवसीय कार्यशाला में यह बात कही। बैठक में निगम आयुक्त संघ प्रिय उपस्थित थे।

बैठक में यह भी बताया गया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता की जाँच हेतु चलित प्रयोगशाला नगर निगम

ग्वालियर में हो, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि गुणवत्ता की जाँच समय रहते की जा सके। इसके साथ ही निर्माण कार्यों के जो ठेकेदार हैं उनको श्रेणीबद्ध भी किया जाना चाहिए। जिन ठेकेदारों द्वारा निगम में कार्यों को गुणवत्तापूर्वक न किया जाए, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई भी निगम स्तर पर और जरूरत हो तो शासन स्तर पर भेजकर कराई जाना चाहिए। दल ने बैठक में बताया कि नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा ग्रीन एसओआर बनाने की तैयारी भी की जा रही है। शासन स्तर से इंजीनियरों के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी शीघ्र प्रारंभ की जायेगी। राष्ट्रीय राजमार्ग अथॉरिटी के सेवानिवृत अधिकारी आई के पाण्डे ने कार्यशाला में निर्माण कार्यों में किस प्रकार की सावधानी बरती जाना चाहिए, इसके संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने भोपाल से आए दल से आग्रह किया कि निर्माण कार्यों में नई-नई तकनीक एवं उसकी गुणवत्ता की जाँच के संबंध में निगम के इंजीनियरों का प्रशिक्षण शासन स्तर पर अथवा नगरीय स्तर पर हो, यह भी व्यवस्था की जाना चाहिए। उन्होंने नगर निगम के इंजीनियरों एवं क्षेत्राधिकारियों से भी कहा कि निर्माण कार्यों के संबंध में जो दिशा-निर्देश दल द्वारा दिए गए हैं उसका पालन हो, यह सुनिश्चित किया जाए। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही नगरीय प्रशासन द्वारा भेजे गए दल द्वारा दिए गए सुझावों पर भी आश्वस्त किया कि नगर निगम ग्वालियर में इसका प्रभारी क्रियान्वयन हो यह सुनिश्चित किया जायेगा।

सबसे बड़ा संतोष धन: नवीन महाराज

- कोयला वाले हनुमान मंदिर पर भागवत कथा का समापन

ग्वालियर। सुदामा निर्धन नहीं थे, उनके पास भौतिक संसाधन भले ही ना हो, लेकिन संतोष धन था। जिसके पास संतोष धन होता है, वही धनी होता है। यह विचार पं. नवीन बिहारी महाराज ने कोयला वाले हनुमान मंदिर मोतीझील पर आयोजित हो रही श्रीमद् भागवत कथा की अंतिम दिवस व्यक्त किए। सुदामा चरित्र का बखान करते हुए उन्होंने कहा कि जिनकी मित्रता की मिसाल आज भी दी जाती है। आप सोचो कृष्ण सुदामा की मित्रता कितनी महान रही होगी। आज हम मित्रता का

भाव नहीं समझ रहे हैं, जबकि ऐसे अनेक उदाहरण है की मित्रता के लिए लोगों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। लोग कहते हैं कि सुदामा निर्धन थे, सुदामा यदि निर्धन थे तो फिर धनवान कौन है? जिसके मित्र स्वयं द्वारकाधीश हो, वह निर्धन कैसे हो सकता है। आज लोगों के पास धन तो है लेकिन फिर भी हो भगवान का भजन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कथा भागवत में भले ही भंडारा ना करो लेकिन गौमाता के लिए गौरव की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए।क्योंकि आज अनेक गए चारा नहीं मिल पाने के कारण पॉलिथीन खाकर मर रही हैं। जीवन में यदि धन आ जाए तो अच्छे काम में जरूर सहयोग करना चाहिए। सोमवार को पूर्णाहुति भंडारे के साथ श्रीमद् भागवत कथा यज्ञ का समापन होगा। इस मौके पर कोयला वाले हनुमान मंदिर के चरणसेवक संतोष भैया, कार्यक्रम संयोजक प्रेम बरौनियां, अभिषेक बरौनियां सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

साड़ी नॉट सौरी ग्रुप की सातवीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई

ग्वालियर। साड़ी नॉट सौरी ग्रुप के सात साल पूरे होने के उपलक्ष्य में ग्रुप की महिलाओं ने सातवीं सालगिरह का उत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर ग्रुप की महिलाओं ने हीरोइनस ऑफ बॉलीवुड थीम पर बॉलीवुड की पुरानी एवं नई अभिनेत्रियों को याद करके एवं उन्हीं के अंदाज में आकर इस दिन को काफी एन्जॉय किया एवं आठवें साल की शुरूआत की।

ग्रुप की फाउंडर श्रीमती रिचा शिवहरे ने बताया कि साड़ी नॉट

सौरी ग्रुप ग्वालियर का एक पहला सांस्कृतिक ग्रुप है जो कि भारतीय परिधान एवं संस्कृति को बढ़ावा देता है। इस ग्रुप की शुरुआत सात वर्ष पहले भारतीय सभ्यता एवं ग्वालियर की सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने के लिए की थी। उन्होंने बताया कि हमारे ग्रुप में 7 बोर्ड ऑफ डायरेक्टर हैं। जिनमे डा. प्रतिभा शर्मा, करिश्मा जैन, प्रज्ञा आचार्य, पल्लवी मिश्रा, तारिणी बंसल, प्रज्ञा बंसल एवं डॉ मनुस्मृति पुरोहित शामिल हैं। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों को रिटर्न गिफ्ट दी गई ।

करंट लगने से गौवंश की मौत

ग्वालियर। मध्यप्रदेश विद्युत मंडल की लापरवाही से एक छोटी बछिया कृष्णनगर, बैंक कॉलोनी, नर्मदेश्वर मंदिर के पास बिजली के खंबे में आने वाले करंट की चपेट में आकर तडपतडप कर मृत्यु के मुंह में समा गई। इतना ही नहीं गौ रक्षकों ने बछिया को बचाने के लिए निगम के अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन इन अधिकारियों ने गौवंश के लिए उपयोग में आने वाली एम्बुलेंस को खराब बताकर उसे उठवाने के लिए नहीं भेजा, जिससे बछिया की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृष्णनगर, बैंक कॉलोनी, नर्मदेश्वर मंदिर के पास विद्युत ट्रांसफार्मर से करंट लगने के कारण अत्याधिक घायल अवस्था में डीपी के पास एक छोटी बछिया पड़ी हुई थी। इसकी सूचना गौरक्षकों ने निगम के अधिकारियों व गौवंश रक्षक एम्बुलेंस को सूचना दी, लेकिन पहले चालक और बाद में अधिकारियों ने एम्बुलेंस को खराब बताकर रविवार होने के कारण नहीं भिजवाया। उधर कुछ देर बाद गौवंश ने दम तोड दिया। उसके बाद गौरक्षकों ने उसे एक गडढा खोदकर वहीं उसका अंतिम संस्कार कर दिया। इससे स्पष्ट है कि बिजली विभाग की लापरवाही से यदि गौवंश के अलावा कोई बच्चा होता तो वह भी करंट से चिपक कर अपनी जान खो देता। गौरक्षकों ने बिजली विभाग से अनुरोध किया है कि वह जल्द ही खुले पडे डीपी के तारों को सुरक्षित करायें, जिससे गौवंश सहित अन्य कोई दुर्घटना का शिकार ना हो सके।

औषधीय, फलदार एवं फूलदार पौधों का किया रोपण

ग्वालियर। सरस्वती नगर यूनिवर्सिटी रोड में माता मंदिर पर विभिन्न प्रकार के औषधीय, फलदार एवं फूलदार पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण में श्यामसुन्दर शर्मा, एमएल सिसौदिया (सेवानिवृत्ति डिप्टी कलेक्टर), अनिल चौहान (पूर्व अध्यक्ष), डॉ ज्ञान प्रकाश सक्सेना, डा. सुरेश सिंह तोमर (कृषि विश्वविद्यालय), अवध किशोर सिंह गुर्जर, बृजपाल सिंह तोमर, पीएन श्रीवास्तव, एसएस कुशवाहा, कायम सिंह कुशवाहा, रामनिवास सिंह तोमर, बीके गुप्ता, बी.एल. छीपा, लखन सिंह आदि उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित, आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।